

भारत सरकार  
GOVERNMENT OF INDIA  
राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता १  
NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA.

वर्ग संख्या

Class No.

पुस्तक संख्या

Book No.

U  
343.0954  
In 371 maj

ए० ए० / N. L. 38.

ISSN (E. S. R. Un.) Ser. — 012—8 L.N. 1/70—14-5-70—0000

# مجموعہ ضابطہ فوجداری ایکٹ ۵ ۱۸۹۸ء

MOONIS BOOK DEPOT  
BUDHUR, U. P. (INDIA).

U  
343.0954  
In 371 maj

भारत सरकार  
GOVERNMENT OF INDIA  
राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता ।  
NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA.

वर्ग संख्या

Class No.

पुस्तक संख्या

Book No.

रा० पु०/ N. L. 38

MGIPC-S4-9 LNL/66-13-12-66-1,50,000.

U  
343.0954

In 371 may

U  
343.0954

In 371 may

سب ترانہیں ہر دار و ستاد مستند و نامدار  
دری دروازہ لاہور ۱۰۶



# مجموعہ مضامین و اخبار

ایکٹ نمبر ۵ باب ۱۸۹۸ء

حال ملک کی ترسیمات و اصلاحات کے ساتھ

بکمال صحت مطابق ترجمہ گوڈرٹ مع ضروری حواشی و تفسیر

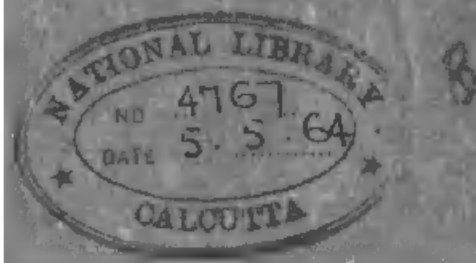
فٹ نوٹ

اصول و اصول و اصول و اصول

حساب

343.0954

In 371 May



فہرست مقابلہ و محاکمات فوجدارسی ایکٹ ۱۸۹۸ء و ایکٹ ۱۸۸۲ء

[illegible]

۲۵۷	۲۵۷	۲۳۱	۲۳۱	۲۰۵	۲۰۵	۱۷۹	۱۷۹	۱۵۳	۱۵۳	۱۲۷	۱۲۷
۲۵۸	۲۵۸	۲۳۲	۲۳۲	۲۰۶	۲۰۶	۱۸۰	۱۸۰	۱۵۴	۱۵۴	۱۲۸	۱۲۸
۲۵۹	۲۵۹	۲۳۳	۲۳۳	۲۰۷	۲۰۷	۱۸۱	۱۸۱	۱۵۵	۱۵۵	۱۲۹	۱۲۹
۲۶۰	۲۶۰	۲۳۴	۲۳۴	۲۰۸	۲۰۸	۱۸۲	۱۸۲	۱۵۶	۱۵۶	۱۳۰	۱۳۰
۲۶۱	۲۶۱	۲۳۵	۲۳۵	۲۰۹	۲۰۹	۱۸۳	۱۸۳	۱۵۷	۱۵۷	۱۳۱	۱۳۱
۲۶۲	۲۶۲	۲۳۶	۲۳۶	۲۱۰	۲۱۰	۱۸۴	۱۸۴	۱۵۸	۱۵۸	۱۳۲	۱۳۲
۲۶۳	۲۶۳	۲۳۷	۲۳۷	۲۱۱	۲۱۱	۱۸۵	۱۸۵	۱۵۹	۱۵۹	۱۳۳	۱۳۳
۲۶۴	۲۶۴	۲۳۸	۲۳۸	۲۱۲	۲۱۲	۱۸۶	۱۸۶	۱۶۰	۱۶۰	۱۳۴	۱۳۴
۲۶۵	۲۶۵	۲۳۹	۲۳۹	۲۱۳	۲۱۳	۱۸۷	۱۸۷	۱۶۱	۱۶۱	۱۳۵	۱۳۵
۲۶۶	۲۶۶	۲۴۰	۲۴۰	۲۱۴	۲۱۴	۱۸۸	۱۸۸	۱۶۲	۱۶۲	۱۳۶	۱۳۶
۲۶۷	۲۶۷	۲۴۱	۲۴۱	۲۱۵	۲۱۵	۱۸۹	۱۸۹	۱۶۳	۱۶۳	۱۳۷	۱۳۷
۲۶۸	۲۶۸	۲۴۲	۲۴۲	۲۱۶	۲۱۶	۱۹۰	۱۹۰	۱۶۴	۱۶۴	۱۳۸	۱۳۸
۲۶۹	۲۶۹	۲۴۳	۲۴۳	۲۱۷	۲۱۷	۱۹۱	۱۹۱	۱۶۵	۱۶۵	۱۳۹	۱۳۹
۲۷۰	۲۷۰	۲۴۴	۲۴۴	۲۱۸	۲۱۸	۱۹۲	۱۹۲	۱۶۶	۱۶۶	۱۴۰	۱۴۰
۲۷۱	۲۷۱	۲۴۵	۲۴۵	۲۱۹	۲۱۹	۱۹۳	۱۹۳	۱۶۷	۱۶۷	۱۴۱	۱۴۱
۲۷۲	۲۷۲	۲۴۶	۲۴۶	۲۲۰	۲۲۰	۱۹۴	۱۹۴	۱۶۸	۱۶۸	۱۴۲	۱۴۲
۲۷۳	۲۷۳	۲۴۷	۲۴۷	۲۲۱	۲۲۱	۱۹۵	۱۹۵	۱۶۹	۱۶۹	۱۴۳	۱۴۳
۲۷۴	۲۷۴	۲۴۸	۲۴۸	۲۲۲	۲۲۲	۱۹۶	۱۹۶	۱۷۰	۱۷۰	۱۴۴	۱۴۴
۲۷۵	۲۷۵	۲۴۹	۲۴۹	۲۲۳	۲۲۳	۱۹۷	۱۹۷	۱۷۱	۱۷۱	۱۴۵	۱۴۵
۲۷۶	۲۷۶	۲۵۰	۲۵۰	۲۲۴	۲۲۴	۱۹۸	۱۹۸	۱۷۲	۱۷۲	۱۴۶	۱۴۶
۲۷۷	۲۷۷	۲۵۱	۲۵۱	۲۲۵	۲۲۵	۱۹۹	۱۹۹	۱۷۳	۱۷۳	۱۴۷	۱۴۷
۲۷۸	۲۷۸	۲۵۲	۲۵۲	۲۲۶	۲۲۶	۲۰۰	۲۰۰	۱۷۴	۱۷۴	۱۴۸	۱۴۸
۲۷۹	۲۷۹	۲۵۳	۲۵۳	۲۲۷	۲۲۷	۲۰۱	۲۰۱	۱۷۵	۱۷۵	۱۴۹	۱۴۹

دخات کیت ۲۸۹	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳	۲۸۳
--------------	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----



[illegible]

# فہرست ابواب و دفعات مجموعہ ضابطہ فوجداری صدر ۱۸۹۸ء

صفحہ	دفعات	صفحہ	دفعات
۱	مضمون	۱	مضمون
۸	اضلاع کسب ڈویژن پر تقریر کرنا اختیار۔ موجودہ	۱	حق تعالیٰ
۹	سب ڈویژن پر قرار دینے کے۔	۲	مراتب امتدادی
۱۰	اج اعدالتین اور سرخشتہ واقع پیرن ڈویژن پر	۳	باب
۱۱	حالات سیشن۔	۴	مقررہ نام۔ آغاز۔ دست۔
۱۲	محکمہ ضابطہ ضلع کے عہدہ پر عہدہ داروں کا بطور	۵	ایسا کمیشن کی سرکاری اشتہارات وغیرہ ایکٹ کے
۱۳	چند روزہ قائم کرنا۔	۶	منسوخ شدہ کی رو سے۔ مقدمات دائر۔
۱۴	محکمہ ضابطہ امتحان اول کے اختیار کی حد و مقامی	۷	مجموعہ ضابطہ فوجداری اور دیگر ایسا کمیشن کی سرخشتہ
۱۵	سب ڈویژن کا اہتمام محکمہ ضابطہ کے سپرد کرنا اختیار	۸	کا حوالہ کیا جائے۔ سابق ایکٹوں کی عبارتیں۔
۱۶	محکمہ ضابطہ ضلع کو اختیارات کا تفویض ہونا۔	۹	تقریفات۔ الفاظ متعلق افعال۔ الفاظ کے وہی
۱۷	اسپیشل محکمہ ضابطہ	۱۰	سے ہونے جو مجموعہ قوانین تہذیب و تمدن ہیں
۱۸	محکمہ ضابطہ کے پنج خاص ہائیوں کے ہونے کی	۱۱	جو تیز جرم تحت مجموعہ قوانین تہذیب و تمدن ہوں
۱۹	صورت میں وہ اختیارات جو بذریعہ پنج کے	۱۲	جرموں کی جو تیز جو دستہ قوانین کے خلاف ہوں
۲۰	عمل میں آسکیں گے۔	۱۳	حصہ دوم
۲۱	بچوں کی ہوائی کے قواعد مرتب کرنا اختیار	۱۴	فوجداری عدالتوں اور مشرقی عدالتوں کا تقریر اور اختیار
۲۲	محکمہ ضابطہ اور بچوں کا محکمہ ضابطہ ضلع کے ماتحت	۱۵	باب
۲۳	پانچ محکمہ ضابطہ سب ڈویژن کے ماتحت ہونا اسسٹنٹ	۱۶	فوجداری عدالتوں اور مشرقی عدالتوں کا تقریر اور اختیار
۲۴	سیشن جج کا سیشن جج کے تابع ہونا سیشن	۱۷	(الف) فوجداری عدالتوں کے اقسام فوجداری
۲۵	اور اعدالتین صاحبان محکمہ ضابطہ پر تیز	۱۸	عدالتوں کے اقسام
۲۶	محکمہ ضابطہ پر تیز پرسی کا تقریر۔	۱۹	(ب) قسمت ہائے اراضی
۲۷		۲۰	سیشن کی قسمیں اور اضلاع۔ قسمیں اور اضلاع۔
۲۸		۲۱	قسمیں اور اضلاع۔ قسمیں اور اضلاع۔
۲۹		۲۲	قسمیں اور اضلاع۔ قسمیں اور اضلاع۔

صفحہ نمبر	مضمون	صفحہ نمبر	مضمون
۳۵	جرائم ثابت کئے جانے پر اور جرم ثابت ہونے پر اختیارات معمولی اور زیادہ	۲۱	پیف مجسٹریٹ پریزیڈنسی
۳۶	مجسٹریٹوں کے اختیارات معمولی	۲۲	۱۔ جسٹس آف دی پیس
۳۷	اختیار افزہ و صاحبان مجسٹریٹ کو بخشے جاسکتے ہیں	۲۳	جسٹس آف دی پیس باور پریزیڈنسی کے لئے
۳۸	مجسٹریٹ ضلع کے اختیار و معاشرہ کا برہنہ حکومت ہونا	۲۴	بافضل کے جسٹس آف دی پیس
۳۹	۱۔ بابت عطا و بجائی و منسوخی اختیارات کے	۲۵	اسٹیشن ہونی عدوت کے اعتبار سے جسٹس آف دی پیس
۴۰	اختیارات کے بخشے کا طریقہ	۲۶	۱۔ معطلی اور موقوفی
۴۱	۲۔ عذر دہندگان اختیارات کا بحال رہنا کی تبدیلی ہونا	۲۷	صاحبان رنج و صاحبان مجسٹریٹ کی معطلی و موقوفی
	اختیارات کا منسوخ ہونا	۲۸	جسٹس آف دی پیس کی معطلی و موقوفی
	حصہ سوم		(باب ۲)
	احکام عام		عدالتوں کے اختیارات
	۱۔		الف اقصیٰ اور جرائم کی جو ہر حد است
	۲۔		واحد کی سماعت کی لائق ہیں
	۳۔		جرائم معرہ و غیرہ قوانین تفریبات چند
	۴۔		جرائم جو کسی اور قانون میں مصرح ہیں
	۵۔		۱۔ جرائم جو ان جرائم سے ملتے جلتے ہیں
	۶۔		۲۔ ایک ایک حکم سزا مختلف ہوگی عدالتوں سے
	۷۔		صادر ہو سکے ہیں
	۸۔		۱۔ احکام سزا جو ایک ایک صاحبان جسٹس جو صادر ہو سکتے ہیں
	۹۔		۲۔ احکام سزا جو صاحبان مجسٹریٹ صادر ہو سکتے ہیں
	۱۰۔		۳۔ احکام سزا جو عدالتوں کے
	۱۱۔		صادر ہو سکتے ہیں
	۱۲۔		۱۔ بعض مجسٹریٹ ضلع کے اختیارات
	۱۳۔		۲۔
	۱۴۔		۳۔
	۱۵۔		۴۔
	۱۶۔		۵۔
	۱۷۔		۶۔
	۱۸۔		۷۔
	۱۹۔		۸۔
	۲۰۔		۹۔
	۲۱۔		۱۰۔
	۲۲۔		۱۱۔
	۲۳۔		۱۲۔
	۲۴۔		۱۳۔
	۲۵۔		۱۴۔
	۲۶۔		۱۵۔
	۲۷۔		۱۶۔
	۲۸۔		۱۷۔
	۲۹۔		۱۸۔
	۳۰۔		۱۹۔
	۳۱۔		۲۰۔
	۳۲۔		۲۱۔
	۳۳۔		۲۲۔
	۳۴۔		۲۳۔
	۳۵۔		۲۴۔
	۳۶۔		۲۵۔
	۳۷۔		۲۶۔
	۳۸۔		۲۷۔
	۳۹۔		۲۸۔
	۴۰۔		۲۹۔
	۴۱۔		۳۰۔
	۴۲۔		۳۱۔
	۴۳۔		۳۲۔
	۴۴۔		۳۳۔
	۴۵۔		۳۴۔
	۴۶۔		۳۵۔
	۴۷۔		۳۶۔
	۴۸۔		۳۷۔
	۴۹۔		۳۸۔
	۵۰۔		۳۹۔
	۵۱۔		۴۰۔
	۵۲۔		۴۱۔
	۵۳۔		۴۲۔
	۵۴۔		۴۳۔
	۵۵۔		۴۴۔
	۵۶۔		۴۵۔
	۵۷۔		۴۶۔
	۵۸۔		۴۷۔
	۵۹۔		۴۸۔
	۶۰۔		۴۹۔
	۶۱۔		۵۰۔
	۶۲۔		۵۱۔
	۶۳۔		۵۲۔
	۶۴۔		۵۳۔
	۶۵۔		۵۴۔
	۶۶۔		۵۵۔
	۶۷۔		۵۶۔
	۶۸۔		۵۷۔
	۶۹۔		۵۸۔
	۷۰۔		۵۹۔
	۷۱۔		۶۰۔
	۷۲۔		۶۱۔
	۷۳۔		۶۲۔
	۷۴۔		۶۳۔
	۷۵۔		۶۴۔
	۷۶۔		۶۵۔
	۷۷۔		۶۶۔
	۷۸۔		۶۷۔
	۷۹۔		۶۸۔
	۸۰۔		۶۹۔
	۸۱۔		۷۰۔
	۸۲۔		۷۱۔
	۸۳۔		۷۲۔
	۸۴۔		۷۳۔
	۸۵۔		۷۴۔
	۸۶۔		۷۵۔
	۸۷۔		۷۶۔
	۸۸۔		۷۷۔
	۸۹۔		۷۸۔
	۹۰۔		۷۹۔
	۹۱۔		۸۰۔
	۹۲۔		۸۱۔
	۹۳۔		۸۲۔
	۹۴۔		۸۳۔
	۹۵۔		۸۴۔
	۹۶۔		۸۵۔
	۹۷۔		۸۶۔
	۹۸۔		۸۷۔
	۹۹۔		۸۸۔
	۱۰۰۔		۸۹۔

مضمون	ذرات	مضمون	ذرات
بابت گرفتاری اور فرار اور گرفتاری کی		بابت گرفتاری اور فرار اور گرفتاری کی	
الف مجموعہ بابت گرفتاری		الف مجموعہ بابت گرفتاری	
گرفتاریوں کی کیا حد تک سرکشی گرفتاری میں		گرفتاریوں کی کیا حد تک سرکشی گرفتاری میں	
تقریر کرنا۔		تقریر کرنا۔	
اس مقام کی تلاش جہاں دشمن ہو گرفتار کرنا		اس مقام کی تلاش جہاں دشمن ہو گرفتار کرنا	
منظر ہے داخل ہوا ہو		منظر ہے داخل ہوا ہو	
ضابطہ کارروائی جبکہ اندر داخل نہ ہو سکے۔ زمانہ		ضابطہ کارروائی جبکہ اندر داخل نہ ہو سکے۔ زمانہ	
خاندان کو توڑ کر اس کے اندر جانا۔		خاندان کو توڑ کر اس کے اندر جانا۔	
رہائی کیلئے درودن اور کریم کے تڑپنے کا اختیار		رہائی کیلئے درودن اور کریم کے تڑپنے کا اختیار	
غیر غرضی مراعت نہ کیا دلی۔		غیر غرضی مراعت نہ کیا دلی۔	
اشخاص گرفتار شدہ کی تلاش میں		اشخاص گرفتار شدہ کی تلاش میں	
مرد کی تلاش میں کھری		مرد کی تلاش میں کھری	
طوائف کے ہتھیار لے لینے کا اختیار		طوائف کے ہتھیار لے لینے کا اختیار	
اب بابت گرفتاری جلاوارٹ		اب بابت گرفتاری جلاوارٹ	
جب جلاوارٹ پولیس گرفتار کر سکتی ہے		جب جلاوارٹ پولیس گرفتار کر سکتی ہے	
آقاہرہ گردن اور ان لوگوں کی گرفتاری جو حادثہ		آقاہرہ گردن اور ان لوگوں کی گرفتاری جو حادثہ	
سرتہ بالجبر کرنا دے بغیر امن۔		سرتہ بالجبر کرنا دے بغیر امن۔	
ضابطہ کارروائی جبکہ عہدہ دار پولیس اپنے تحت		ضابطہ کارروائی جبکہ عہدہ دار پولیس اپنے تحت	
کے عہدہ دار کو جلاوارٹ گرفتاری کے لئے بھیجے		کے عہدہ دار کو جلاوارٹ گرفتاری کے لئے بھیجے	
نام اور حکومت کے بتانے سے انکار کرنا		نام اور حکومت کے بتانے سے انکار کرنا	
تحریر میں کارروائی اور حلقہ اختیار کے اندر تھپک		تحریر میں کارروائی اور حلقہ اختیار کے اندر تھپک	
شخص گرفتار شدہ کو مجسٹریٹ یا عہدہ دار ہتھ		شخص گرفتار شدہ کو مجسٹریٹ یا عہدہ دار ہتھ	
پولیس اسٹیشن کے رو برو کیا یا جاد کیا		پولیس اسٹیشن کے رو برو کیا یا جاد کیا	
شخص گرفتار شدہ کو چھ مہینے گنتہ سے زیادہ غرض		شخص گرفتار شدہ کو چھ مہینے گنتہ سے زیادہ غرض	
تک نظر بند درکھا جائے۔		تک نظر بند درکھا جائے۔	
پولیس گرفتاری کی رپورٹ کرنا		پولیس گرفتاری کی رپورٹ کرنا	
شخص گرفتار شدہ کی طاقی		شخص گرفتار شدہ کی طاقی	
دو جرم حکما از کتاب مجسٹریٹ کے مواجہ میں ہو		دو جرم حکما از کتاب مجسٹریٹ کے مواجہ میں ہو	
مجسٹریٹ کے درپے سے دواؤں کے رو برو گرفتاری		مجسٹریٹ کے درپے سے دواؤں کے رو برو گرفتاری	
فرار ہونے پر یا اختیار کہ اس کا قاتل کرے		فرار ہونے پر یا اختیار کہ اس کا قاتل کرے	
پیرا دیکو گرفتار کیا جاد ہے۔		پیرا دیکو گرفتار کیا جاد ہے۔	
احکام ذرات ۲۷ ۲۸ ۲۹ ۳۰ ۳۱ ۳۲ ۳۳ ۳۴ ۳۵ ۳۶ ۳۷ ۳۸ ۳۹ ۴۰ ۴۱ ۴۲ ۴۳ ۴۴ ۴۵ ۴۶ ۴۷ ۴۸ ۴۹ ۵۰ ۵۱ ۵۲ ۵۳ ۵۴ ۵۵ ۵۶ ۵۷ ۵۸ ۵۹ ۶۰ ۶۱ ۶۲ ۶۳ ۶۴ ۶۵ ۶۶ ۶۷ ۶۸ ۶۹ ۷۰ ۷۱ ۷۲ ۷۳ ۷۴ ۷۵ ۷۶ ۷۷ ۷۸ ۷۹ ۸۰ ۸۱ ۸۲ ۸۳ ۸۴ ۸۵ ۸۶ ۸۷ ۸۸ ۸۹ ۹۰ ۹۱ ۹۲ ۹۳ ۹۴ ۹۵ ۹۶ ۹۷ ۹۸ ۹۹ ۱۰۰		احکام ذرات ۲۷ ۲۸ ۲۹ ۳۰ ۳۱ ۳۲ ۳۳ ۳۴ ۳۵ ۳۶ ۳۷ ۳۸ ۳۹ ۴۰ ۴۱ ۴۲ ۴۳ ۴۴ ۴۵ ۴۶ ۴۷ ۴۸ ۴۹ ۵۰ ۵۱ ۵۲ ۵۳ ۵۴ ۵۵ ۵۶ ۵۷ ۵۸ ۵۹ ۶۰ ۶۱ ۶۲ ۶۳ ۶۴ ۶۵ ۶۶ ۶۷ ۶۸ ۶۹ ۷۰ ۷۱ ۷۲ ۷۳ ۷۴ ۷۵ ۷۶ ۷۷ ۷۸ ۷۹ ۸۰ ۸۱ ۸۲ ۸۳ ۸۴ ۸۵ ۸۶ ۸۷ ۸۸ ۸۹ ۹۰ ۹۱ ۹۲ ۹۳ ۹۴ ۹۵ ۹۶ ۹۷ ۹۸ ۹۹ ۱۰۰	
بابت حکمنامات احضار بالجبر		بابت حکمنامات احضار بالجبر	
الف اسم		الف اسم	
سمین کا نوہ تھیل سمین کی کے ذریعہ سے ہوگی		سمین کا نوہ تھیل سمین کی کے ذریعہ سے ہوگی	
تھیل سمین کی کہیں کر ہوگی سمین کے پانے کی نسبت		تھیل سمین کی کہیں کر ہوگی سمین کے پانے کی نسبت	
تھیل سمین جبکہ دشمن جس کے نام جاری کیا		تھیل سمین جبکہ دشمن جس کے نام جاری کیا	
جائے نہ ملے۔		جائے نہ ملے۔	
ضابطہ یک تھیل حب حکومت ہاں حال ہو سکے۔		ضابطہ یک تھیل حب حکومت ہاں حال ہو سکے۔	
تھیل سمین عہدہ سرکاری یا لازم دیو سے کہیں پر		تھیل سمین عہدہ سرکاری یا لازم دیو سے کہیں پر	
تھیل سمین عہدہ مقامی کے اجہ		تھیل سمین عہدہ مقامی کے اجہ	

نجات	مضمون	نجات	مضمون
۴۳	اسباب احکام علما سن اور وارنٹ گرفتاری کی تعلق پذیر ہونے۔ (۷)	۷۵	(ب) وارنٹ گرفتاری قانون وارنٹ گرفتاری۔ وارنٹ گرفتاری کا مفاد و پرچہ
	باب ۱	۷۶	عدالت ضمانت یعنی کس کی ہوتی ہے وکیل کی جاکر
	باب حکمتا مجازات واسطے جبر احاطہ	۷۷	وارنٹ کئے نام لکھا جاتا ہے۔ وارنٹ چند شہروں کے نام
	کرائے و ستادیزات اور دیگر جائیداد و مقولہ	۷۸	وارنٹ زمیندار و غیرہ کے نام لکھا جاسکتا ہے۔
	کے اور واسطے انکشاف حال اشخاص	۷۹	جو وارنٹ عہدہ دار پولیس کے نام لکھا جاتا ہے
	کے جو جیس سچا میں رکھے جائیں۔	۸۰	خلاصہ وارنٹ کا دنیا
	(الف) مومن واسطے حاضر کرانسی ہو کر	۸۱	شخص گرفتار شدہ کو جلاؤقت حاشیہ کے رد و فرما جائے
۹۳	سن واسطے حاضر کرنے و ستادیزات کے	۸۲	وارنٹ تعلیم کے نام لکھا جاسکتا ہے۔
۹۵	خلیہ و خصوص خطوط اور ٹیلیگرام کے	۸۳	وارنٹ تعلیم کے علاوہ اختیار کرنا ہو سکتا ہے
	(ب) وارنٹ تلاشی		جو وارنٹ ملاقات اختیار کے باہر تعلیم کے لئے عہدہ دار
۹۶	کب وارنٹ تلاشی صادر کیا جاسکتا ہے۔	۸۴	پولیس کے نام لکھائے جاتے۔
۹۷	وارنٹ کے روکنے کا اختیار۔		ضابطہ کارروائی اس شخص کے گرفتار ہونے پر
	تلاشی میں مکانی جبین مال سرحد و ستادیزات جمعی	۸۵	جس کے نام وارنٹ جاری کیا جائے
۹۸	دفعہ کے رہنے کا شبہ ہو۔		ضابطہ کارروائی اس مجسٹریٹ کے لئے جس کے
	کارروائی میں اشیاء کی نسبت جو ملاقات اختیار کے	۸۶	رد و رد شخص گرفتار شدہ لایا جائے۔
۹۹	باہر تلاش میں پائی جائیں۔		(ج) اشتہار اور قرقی
۱۰۰	رج انکشاف حال ان اشخاص کو جو جیس سچا میں لکھا جائیں	۸۷	اشتہار متعلق شخص مفرد کے
۱۰۰	تلاش میں اشخاص کی جو جیس سچا میں لکھے جائیں۔	۸۸	شخص مفرد کی جائداد کی قرقی۔
	(د) احکام عام بابت تلاشی	۸۹	جائداد قرق شدہ کا واپس کر دینا۔
۱۰۱	وارنٹ تلاشی کی نسبت حمایت و غیرہ		(د) دیگر قواعد متعلق حکمتا مجازات
۱۰۲	ان لوگوں کو جو بے مقام کے متحرک ہیں یا بے گناہی ہیں	۹۰	جو اسے وارنٹ سن کے عوض یا ملاوہ سن کے



نمونہ	مضمون	نمونہ	مضمون
۱۳۲	امراہٹ تکلیف یا اندیشہ خطرو کے ضروری مقتضات میں کیسے حکم ناطق صادر کرنا اختیار۔ <b>باب (۱۲)</b>	۱۳۰	اس افسر سپاہ کا لازم خدمت جس کو مجسٹریٹ جمیع کے مشترکہ رہنے کے لئے سکھ۔ کمیشن یا فوجی افسروں کا اختیار و بارہ منتشر کرنے کے۔
۱۳۱	نزاعات یا نسبت جہاندار و غیر منقولہ خاں بدجیکہ نزاع متعلق اور افسی و غیرہ سے اس میں فقہ و طے کا احوال پر تحقیقات و خصوص قبضہ کے جتنا قبضہ ہے وہ قابض رہیگا۔ جنگ کہ قانوناً او سکریڈل نہ کیا جاوے۔	۱۳۲	مائنس اور جیل و استغاثہ و عدالت ان احوال کے پر حسب باب نہاد تو رعین آئین۔ <b>باب (۱۰)</b>
۱۳۵	شہ قناز کے قرن کرنے کا اختیار	۱۳۳	امور باغیٹ تکلیف عام حکم یا شرط واسطے وضع کرنے امراہٹ تکلیف کے حکم کا جاری یا مست ترک کرنا
۱۳۶	نہادات متعلق عن تباہی و غیرہ کے۔	۱۳۴	اس شخص کے اس حکم کی تعمیل کرنا چاہے جو ایک گناہ صادر ہو یا وہ وجہ دیکھائے یا جوری کی استدعا کرے
۱۳۷	تحقیقات موقوفہ۔ حکم و خصوص خرچہ کے <b>باب (۱۳)</b>	۱۳۵	مقام تعمیل حکم مذکور کا نتیجہ۔ خاں بدجیب وہ حاضر ہو کر وجہ ظاہر کرے
۱۳۸	پولیس کا عمل انسدادی	۱۳۶	خاں بدجیب وہ جوری کے لئے استدعا کرے۔ خاں بدجیب جوری مجسٹریٹ کے حکم کو منظور کیجے۔
۱۳۹	پولیس کا اختیار و بارہ انسدادی و قابل دست اندازگی	۱۳۷	خاں بدجیب حکم ناطق کر دیا جائے۔ عدول ملک کے نتائج
۱۴۰	دیکھ جرموں کے کتاب کی نیت کی اطلاع۔	۱۳۸	خاں بدجیب جوری۔ مقرر کیا جائے یا جوری اپنی رٹا ہر کرے
۱۴۱	دیکھ جرموں کے انسداد کے لئے گرفتاری	۱۳۹	حکم امتناعی نازان تحقیقات مجسٹریٹ امراہٹ تکلیف عام کے مقرر کرنے یا کرنے
۱۴۲	سرکاری جائداد کے نقصان ہو چا یا انسداد	۱۴۰	رہنے سے متعلق کر سکتا ہے۔ <b>باب (۱۱)</b>
۱۴۳	بائون اور سپائون کا سمانہ۔ حصہ پنجم	۱۴۱	احکام چند روزہ امراہٹ تکلیف یا اندیشہ خطرو کے ضروری مقتضات میں
۱۴۴	پولیس کو اطلاع پہنچانے اور پولیس کے اختیارات تفتیش کا بیان۔ <b>باب (۱۴)</b>	۱۴۲	
۱۴۵	معدات قابل دست اندازگی کے متعلق اطلاع		
۱۴۶	معدات غیر قابل دست اندازگی کے متعلق اطلاع		

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۱۵۲	تفتیش کی کارروائی کا روزنامہ۔	۱۵۲	مقدمت غیر قابل دست اندازی کی تفتیش۔
۱۵۳	حمدہ دار پولیس کی رپورٹ۔	۱۵۳	مقدمت قابل دست اندازی کی تفتیش۔
۱۵۴	پولیس کو خود کشی وغیرہ کی تحقیقات اور رپورٹ۔	۱۵۴	ضابطہ جبکہ جرم قابل دست اندازی کا گمان ہو۔
۱۵۵	لوگوں کو طلب کرنا اختیار۔	۱۵۵	تفتیش برقی ضرورت نہیں جب حمدہ دار۔
۱۵۶	وجہ ترک کی تحقیقات بذریعہ مجسٹریٹ کے زمین۔	۱۵۶	پولیس مستم تفتیش کی کوئی وجہ کافی نہ دیکھے۔
۱۵۷	سہوکار لاش نمائے کا اختیار۔	۱۵۸	رپورٹیں تحت دفعہ ۱۵۷ کیونکر حاصل ہونگی۔
۱۵۸	کارروائی ہائے متعلقہ استغاثات	۱۵۹	تفتیش یا تحقیقات ابتدائی کر کے کیا اختیار۔
۱۵۹	باب ۱۱۵	۱۶۰	حمدہ دار پولیس کا اختیار دوبارہ طلب کرنے کو اگرچہ
۱۶۰	اختیارات عدالت کے نوخبہ داری	۱۶۱	گواہوں کی زبان بندی بذریعہ پولیس کے۔
۱۶۱	دوبارہ تحقیقات اور تجویزات کے	۱۶۲	جو بیانات پولیس کے دہرہ کے جواہرین اور برکت
۱۶۲	الف مقام تحقیقات یا تجویز کا	۱۶۳	نہ کئے جاویں گے۔ اور نہ وہ بطور شہادت مقبول ہونگے
۱۶۳	تحقیقات اور تجویز کا اصولی مقام۔	۱۶۴	کوئی ترغیب نہیں دیا جائے گی۔
۱۶۴	مختلف قسم کے سیشن میں تجویز متعلقہ مقام	۱۶۵	بیان اور اقبال کے طلبہ کرنا اختیار۔
۱۶۵	مقام کے مقدمہ کی تجویز اس ضلع میں ہو سکتی ہے۔	۱۶۶	حمدہ دار پولیس کے ذریعہ سے تفتیش یعنی
۱۶۶	ضلع یا نتیجہ و جمع میں کیا ہو۔	۱۶۷	جب حمدہ دار مستم پولیس اسٹیشن کسی اور حمدہ دار سے
۱۶۷	مقام تجویز جب فعل اسوجہ سے جرم ہے کہ اور جرم ملے	۱۶۸	دراخت تفتیش کے صادر کرنا کی درخواست کر سکتا ہے
۱۶۸	ملک ہونا یا اکثریت کے گرد کارٹر کیا ہو یا اس سے	۱۶۹	ضابطہ جبکہ تفتیش جو میں گھٹے کے اندر ختم ہو سکے
۱۶۹	مقررہ ہونا وغیرہ تعریف ہیجے مجراۃ اذنیات جلد چہ	۱۷۰	تفتیش کی رپورٹ بذریعہ حمدہ دار ماتحت پولیس کے
۱۷۰	کرنا انسان کو ملے جتنا اور انسان کو جھگڑانا۔	۱۷۱	مخلصی لازم کی جب شہادت تمام ہو۔
۱۷۱	تحقیقات یا تجویز مقام جبکہ مقررہ جرم غیر متعین ہو	۱۷۲	مقدمہ مجسٹریٹ کے پاس بھیجا جائیگا جب شہادت کافی ہو
۱۷۲	یا صرف ایک ضلع میں نہ ہو یا جرم ملے لا انقال	۱۷۳	فریادیوں اور گواہوں کو حمدہ دار پولیس کے ساتھ
۱۷۳	ہونا جائے یا چند احوال پر مشتمل ہو	۱۷۴	جانبی حکم نہیں ہوگا۔ فریادی اور گواہوں کی
۱۷۴	جرم جب سفر میں سرزد ہو۔	۱۷۵	نسبت فراموش کیا جائیگی۔ یا فراموش فریادی یا گواہ
		۱۷۶	کو مرست میں کر کے مسجد یا جاسکتا ہے۔



صفحہ	موضوع	صفحہ	موضوع
۱۸۳	برایم بر خلاف حکم ایکٹ کے متعلق دیو سے ایکٹ کیلئے	۱۸۳	برایم بر خلاف حکم ایکٹ کے متعلق دیو سے ایکٹ کیلئے
۱۸۵	اور ڈاکٹریٹ اور اس کے	۱۸۵	اور ڈاکٹریٹ اور اس کے
۱۸۶	تجربہ جوئی مرعین ڈاکٹر ٹھہرائی کہ کس ضلع میں	۱۸۶	تجربہ جوئی مرعین ڈاکٹر ٹھہرائی کہ کس ضلع میں
۱۸۷	تحقیقات یا تجویزوں جابجائے	۱۸۷	تحقیقات یا تجویزوں جابجائے
۱۸۸	تسلیہ ڈاکٹر ہادی کرچکا اختیار بابت اس جہم کے	۱۸۸	تسلیہ ڈاکٹر ہادی کرچکا اختیار بابت اس جہم کے
۱۸۹	جو علاقہ اختیار مقامی کے باہر وقوع میں آیا ہو۔ گرفتار	۱۸۹	جو علاقہ اختیار مقامی کے باہر وقوع میں آیا ہو۔ گرفتار
۱۹۰	ہوئے پر مجسٹریٹ کا ضابطہ کارروائی	۱۹۰	ہوئے پر مجسٹریٹ کا ضابطہ کارروائی
۱۹۱	ضابطہ جیک وڈنڈن طرف مجسٹریٹ ماتحت کے جاری	۱۹۱	ضابطہ جیک وڈنڈن طرف مجسٹریٹ ماتحت کے جاری
۱۹۲	رہائے بھائی کی اغوازی ان جرموں کی بابت جو جرم	۱۹۲	رہائے بھائی کی اغوازی ان جرموں کی بابت جو جرم
۱۹۳	انڈیا کے باہر سرزمینوں۔ پولیس کیلئے اس امر کی	۱۹۳	انڈیا کے باہر سرزمینوں۔ پولیس کیلئے اس امر کی
۱۹۴	تصدیق کرنا کہ ان ام لاین تحقیقات ہے۔	۱۹۴	تصدیق کرنا کہ ان ام لاین تحقیقات ہے۔
۱۹۵	یہ اہمیت کرچکا اختیار کہ نقلین کو جرم کے اہمیت	۱۹۵	یہ اہمیت کرچکا اختیار کہ نقلین کو جرم کے اہمیت
۱۹۶	اور دستاویزات کی شہادت میں مقبول ہوں	۱۹۶	اور دستاویزات کی شہادت میں مقبول ہوں
۱۹۷	اسب (شریطہ جو واسطے شروع کرنے	۱۹۷	اسب (شریطہ جو واسطے شروع کرنے
۱۹۸	کارروائی کے ضروری ہیں	۱۹۸	کارروائی کے ضروری ہیں
۱۹۹	جرم کی سماعت مجسٹریٹوں کے دربار	۱۹۹	جرم کی سماعت مجسٹریٹوں کے دربار
۲۰۰	مکرم کے درخواست کرنے پر مقدمہ انتقال پر درج	۲۰۰	مکرم کے درخواست کرنے پر مقدمہ انتقال پر درج
۲۰۱	انتقال مقدمات مجسٹریٹوں کے ذریعے	۲۰۱	انتقال مقدمات مجسٹریٹوں کے ذریعے
۲۰۲	سماعت جرم درالہائے سشن میں	۲۰۲	سماعت جرم درالہائے سشن میں
۲۰۳	سماعت جرم ڈاکٹر کے دربار۔ ایکٹ خبر کیلئے	۲۰۳	سماعت جرم ڈاکٹر کے دربار۔ ایکٹ خبر کیلئے
۲۰۴	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۰۴	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے
۲۰۵	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۰۵	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے
۲۰۶	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۰۶	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے
۲۰۷	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۰۷	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے
۲۰۸	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۰۸	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے
۲۰۹	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۰۹	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے
۲۱۰	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے	۲۱۰	استغاثہ بابت ان اختیار جائزہ خان سرکاری کے

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۲۰۸	نام بیان کان ہرگا۔ جب جرم کا کوئی خاص نام نہ ہو تو	۲۰۸	اگرے شہادت خیر کے
۲۰۹	تو کیوں کر بیان ہوگا۔ فرد قرار داد جرم سے کتنا کیا	۲۰۹	کب شخص ملزم کی دہائی ہوگی۔
۲۱۰	مقدم ہوگا فرد قرار داد جرم کس زبان میں ہوگی	۲۱۰	کب فرد قرار داد جرم مرتب ہوگی۔ فرد قرار داد جرم ملزم
۲۱۱	کب سزا یا پالی ساقی کی تعمیر کیجاو گی۔	۲۱۱	گو سہائی جلدی اور نقل ملزم کو رہا ہوگی۔
۲۱۲	تفصیل بابت دقت اور مقام اور شخص کے۔	۲۱۲	صفائی کے گواہوں کی فہرست تجویز کے وقت فہرست فہرست
۲۱۳	کب از کتاب جرم کے طور پر بیان کرنا ضروری ہے	۲۱۳	محیطیٹ کا اختیار دوبارہ لینے زبان بند فی کو گواہ کے
۲۱۴	فرد قرار داد جرم کے الفاظ کے سنی اس لفظوں	۲۱۴	حکم سپردگی دورہ۔
۲۱۵	کے سنی کے موافق جسے جائے سبکی ہوگی اور	۲۱۵	وہ شخص جس پر بلا بریز طمانی کے با بریت بر طمانہ اہلی
۲۱۶	وہ جرم لائق سزا ہو۔	۲۱۶	یہ آپ کے شافی الزام لگایا جائے۔
۲۱۷	غلطیوں کا اثر۔	۲۱۷	سپرولی در حقیقت دفعہ ۲۱۳ و ۲۱۴ کا مسترد ہونا۔
۲۱۸	ضابطہ دورہ سپرد ہوئے پر بدین فرد قرار داد	۲۱۸	صفائی کے گواہوں کے طلب کر لے اسے انکار کرنا آتا
۲۱۹	جرم کے باجائز ناقص فرد قرار داد جرم کے	۲۱۹	جبکہ وہ یہ بمانت کر دیا جائے۔
۲۲۰	فرد قرار داد جرم کو عدالت تبدیل کر سکتی ہے۔	۲۲۰	فریادوں اور گواہوں کے چلک رجوعیت میں نظر نہ لگنا
۲۲۱	کب تبدیل کے تجویز میں فوراً تصویب ہو چکا ہوگی	۲۲۱	جبکہ حاضر ہونے یا ٹیکہ لگدینے سے انکار کیا جاوے
۲۲۲	کب تجویز تبدیل کا حکم دیا جاسکتا ہے یا تجویز ہی ہوگی	۲۲۲	سپرولی دورہ کی اطلاع کب دیا جائے گی۔ فرد قرار داد جرم وغیرہ
۲۲۳	مقدمہ کا ملوی رہنا اگر تبدیل شدہ فرد قرار داد جرم میں	۲۲۳	یا ٹیکہ لگے یا عدالت سیشن میں ہیجہ یا جائے گا۔
۲۲۴	اس جرم کی طبیعت استعمال کو کر کے پیشتر تنگروی دیکھو	۲۲۴	اگر تیزی سے ترجمہ یا ٹیکہ لگے میں ہیجہ یا جائے گا۔
۲۲۵	اگر جرم کو طلب کرنا جب فرد قرار داد جرم تبدیل کھائے	۲۲۵	اگر امان خیر کے طلب کرنا اختیار۔
۲۲۶	غلطی اہم کی تاثیر۔	۲۲۶	دوران تجویز میں ملزم کو حراست میں رکھنا۔
چند الزامات کا شمول		باب (۱۹)	
۲۲۷	طمانہ ملیمہ فرد قرار داد جرم ہر جرم جدا گانہ کی بابت	بابت فرد قرار داد جرم کے	
۲۲۸	جب تین جرم ایک ہی قسم کے ایک سال کے اندر وقوع	نمونہ فرد قرار داد جرم	
۲۲۹	میں آئین تو نہ تھا الزام ایک مثال علیہ کیا جائیگا۔	فرد قرار داد جرم میں جرم لکھا جائیگا۔ جرم کا خاص	
۲۳۰	ایک سے زیادہ جرم کی بابت تجویز دورہ سپرد نظر ہوگی		

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۲۵۰	الزہدات جو تاقی یا براہ انوارسانی لکھتے جاہلین	۲۳۵	اندر آئے۔ وہ افعال جو ایک جرم ہوں مگر ان کا مجرورہ دوسرا جرم ہو۔
۲۵۱	بایں (۲۴۱)	۲۳۶	جسکے مثبت ہو کہ کوئی جرم سرزد ہوا ہے
۲۵۲	تجویر مقتضات قابل اجراء کے وارث	۲۳۷	جسکے کسی شخص پر ایک جرم کا الزام لگایا جائے تو اس کو
۲۵۳	معرفت صاحبان محشر میں	۲۳۸	دوسرے جرم کا مجرم ٹھہرایا جاسکتا ہے۔
۲۵۴	ضابطہ مقتضات قابل اجراء کے وارث میں	۲۳۹	جسکے دو جرم جو ثابت ہوں اس جرم میں مثال ہو
۲۵۵	ثبوت استغاثہ کی بابت۔	۲۴۰	جسکے الزام لگایا گیا ہے۔
۲۵۶	طرز کی رہائی	۲۴۱	مگر کن شخصوں پر بالآخر تک الزام لگایا جاسکتا ہے
۲۵۷	فیہ قرار داد جرم کا ترکیب کیا جبکہ جرم ثابت ہو	۲۴۲	چند الزامین میں سے ایک الزام کی بنا پر مجرم ٹھہرنے
۲۵۸	اقبال جرم	۲۴۳	پر باقی الزاموں سے دست بردار ہونا۔
۲۵۹	جواب	۲۴۴	بایں (۲۴۱)
۲۶۰	مکمل رہا سب سے جرم پیش کرانے شہادت کے درخواست نام	۲۴۵	تجویر مقتضات قابل اجراء کے سمن معرفت
۲۶۱	برائت۔ ثبوت جرم۔	۲۴۶	صاحبان محشر میں
۲۶۲	فریادی کی غیر حاضری۔	۲۴۷	مقتضات قابل اجراء کے سمن میں ضابطہ
۲۶۳	بایں (۲۴۲)	۲۴۸	الزام کا مضمون بیان کر دیا جائیگا۔
۲۶۴	بابت تجویر سمری	۲۴۹	الزام کے صحیح ہونے کے اقبال پر ثبوت جرم۔
۲۶۵	تجویر سمری کا اختیار۔	۲۵۰	ضابطہ جبکہ کوئی ویسا اقبال نہ کیا جائے۔
۲۶۶	ان محشر میں کس کے پنج کو اختیار عطا کرنا جو کس کو	۲۵۱	برائت۔ حکم سزا۔
۲۶۷	اختیار بخشا گیا ہے۔	۲۵۲	تجویر تالش یا سمن کے باعث سے مدد نہ ہوگی
۲۶۸	مقتضات قابل اجراء کے سمن میں قابل اجراء کے	۲۵۳	فریادی کا نہ حاضری ہونا۔
۲۶۹	وارث میں ضابطہ جو تعلق ہو سکتیگا۔ قید کی حد	۲۵۴	تالش سے دست بردار ہونا۔
۲۷۰	ریکارڈوں و مقتضات میں جن کا تعلق نہ ہو	۲۵۵	کارروائی کے نمونہ کو لکھا اختیار جبکہ فریادی نہ ہو
۲۷۱	ریکارڈوں و مقتضات میں لائق قبول ہوں	۲۵۶	مقتضات قابل اجراء کے سمن اور قابل اجراء
۲۷۲	ریکارڈوں و مقتضات میں کس زبان میں لکھی جائیگی۔	۲۵۷	وارث میں الزہدات تاقی
۲۷۳	ریکارڈوں و مقتضات میں کس زبان میں لکھی جائیگی۔		

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۲۷۶	امالی جوری کے رد و تجویزات	۲۷۶	باب ۱۔ بابت تجویز قدرت بخصوص امالی و طاعت
۲۷۷	امالی جوری کے نام بکار سے جائینگے امالی جوری کی نسبت اعراض۔ اعراض بل پیش کرنے و جوہر کے	۲۷۷	سشن (الف) اجرات ابعدانی
۲۷۸	اعراض کی وجوہات۔ اعراض کا فیصلہ۔ اس بل جوری کے چکی نسبت	۲۷۸	امالی کوٹ کی تعریف۔
۲۷۹	اعراض کیا جائے اور شخص کا ماور پونا۔	۲۷۹	امالی کوٹ کے رد و تجویزات بذریعہ جوری کے ہونے
۲۸۰	جوری کا میر مجلس۔	۲۸۰	عدالت سشن کے رد و تجویزات بذریعہ جوری بالشرکت
۲۸۱	امالی جوری کو حلف دینا۔	۲۸۱	اسیرون کے ہونے۔
۲۸۲	ضابطہ جیکہ اہل جوری حاضر نہ و غیرہ	۲۸۲	کوٹنٹ وکل حکم کر سکتی ہے کہ عدالت سشن کے
۲۸۳	قیدی کی جاری کی صورت میں جوری کو نصرت کرنا	۲۸۳	رد و تجویزات بذریعہ جوری کے ہونے۔
۲۸۴	(د) انتخاب اسیسرون	۲۸۴	عدالت سشن میں تجویز کی کارروائی صرف پیر کل
۲۸۵	اسیرون کہیں کہ منتخب کے جائینگے۔	۲۸۵	منہاج نامہ ہر کار کے ہونے۔
۲۸۶	ضابطہ جیکہ اسیسرون حاضر نہ ہو سکے	۲۸۶	(ب) آغاز کار روائی
۲۸۷	(۵) تجویز یا اتمام کار روائی یا استغنی	۲۸۷	آغاز تجویز۔ اقبال جرم۔
۲۸۸	شرع پیروی استغناء۔ گواہان کی زبان بندی	۲۸۸	اقبال جرم کر پنے اٹھا کرنا تجویز کے جائیکہ دعویٰ کرنا
۲۸۹	محکمہ کے رد و طرز کی زبان بندی شہادت ہونے	۲۸۹	ایک ہی جوری یا ایک ہی جماعت اسیسرون کے ذریعے
۲۹۰	تحقیقات ابتدائی میں شہادت گذر و رد و قیام	۲۹۰	چند لڑکوں کی تجویز کے بعد دیگرے علیین ہو سکتی ہے
۲۹۱	ضابطہ بعد از زبان بندی گواہان جانب استغنی کے	۲۹۱	قرارداد جرم میں الزام غیر قابل ثبوت کا مندرج
۲۹۲	جواب	۲۹۲	ہیما۔ انصاف کی تاثیر۔
۲۹۳	لزم کا استحقاق و خصوص زبان بندی اور علی گاہ	۲۹۳	(ج) ابابت استجابات جوری
۲۹۴	پیر کا استغناء کا حق جواب۔	۲۹۴	جوری کی تعداد۔
۲۹۵	جوری یا اسیسرون کا مسایہ کرنا۔	۲۹۵	جوری واسطہ تجویز مقدمہ ان اشخاص کے عدالت سشن
۲۹۶	اہل جوری یا اسیسرون کی زبان بندی کی کیا جائیگی	۲۹۶	کے رد و رد و اہل و پل اہل امر کی نہ ہونے۔
		۲۹۷	امالی جوری جو بذریعہ قرضہ اندازی کے منتخب کئے
		۲۹۸	جائینگے۔ موجودہ طریقہ کا برقرار رہنا۔ جو اشخاص
		۲۹۹	طلب نہ کئے جائیں۔ و ایک سنی ہون کے خاص

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۲۹۵	ای جوری اس حالت میں -	جوری یا ایسی سرن کا اس اجلاس میں حاضر ہونا چاہیے	
۲۹۶	ای جوری خاص کی تعداد -	تجزیاتی رہے -	
۳۱۲	عام اور خاص ای جوری کی فہرست تیار	ای جوری کو بند کرنا -	
۲۹۷	کرنا کے لئے عدہ داران کا اختیار -	اور اختتام تجویز کا اور مقامات میں جو تجویز پر یک تجویز ہیں	
۲۹۸	فہرست ہائے ابتدائی و معمولی کا مشہور کرنا -	جوری کو متنبہ کرنا -	
۲۹۹	ای جوری کی تعداد جو بلا دہریہ پریزیڈنسی کین طلب کے	مکاتب جج کا لازماً خدمت -	
۳۰۰	جائین کے ضمن میں سزاؤ -	جوری کا لازماً خدمت -	
۳۰۱	بلدیہ پریزیڈنسی کے ای جوری کی جوری کا طلب کرنا	خود کو نیکے لئے طبعاً و عیباً -	
۳۰۲	ای جوری جوری فوجی -	دائے کا سنا -	
۳۰۳	ای جوری کا حاضر ہونا -	خدا جج ای جوری کے درمیان اختلاف ہو -	
۳۰۴	ای جوری کا ترتیب فہرست ای جوری ایسی سرن	بروز اسلام کی حاجت مانے دیا دینی اور صاحب جج و ریس	
۳۰۵	سیشن جج ای جوری اور سیرنگ کی اس حالت میں	سوال کر سکتا ہے سوال اور جواب تکبیر کے جائزے	
۳۰۶	بحیثیت ای جوری یا ایسی سرن کام دین کی لائق	دائے کا تجویز کرنا -	
۳۰۷	سافیان -	دائے یا جج کی بین کف طلب دیکھی اور عدوتوں میں	
۳۰۸	ای جوری اور ایسی سرن کی فہرست -	جوری کو خدمت کو دینا -	
۳۰۹	فہرست کا مشہور ہونا -	حالات سیشن میں کب تک صاحب برہگی -	
۳۱۰	فہرست پر اعتراضات -	خدا جج جج سیشن جج مانے جوری سے اختلاف کہتے ہیں	
۳۱۱	فہرست کی نظر ثانی -	ذات تجویز کر دینے کے مقدمہ کی جوری سے جج کے	
۳۱۲	خاص ای جوری کی فہرست کی تیاری -	تجزیاتی کر دینے کے مقدمہ کی جوری سے جج کے	
۳۱۳	محیطی ضلع ای جوری اور ایسی سرن کو طلب کرنا	درج اختتام تجویز ان مقامات کا جن میں تجویز تیار ہو سکتی ہے	
۳۱۴	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۱۵	سمن کا نمونہ اور ضامین -	اطلا کا ردائی یا سیشن میں جج لازم پر کوئی جرم ثابت ہو	
۳۱۶	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۱۷	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۱۸	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۱۹	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۰	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۱	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۲	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۳	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۴	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۵	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۶	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۷	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۸	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۲۹	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۰	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۱	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۲	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۳	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۴	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۵	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۶	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۷	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۸	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۳۹	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۰	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۱	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۲	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۳	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۴	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۵	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۶	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۷	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۸	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۴۹	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	
۳۵۰	ای جوری یا ایسی سرن کی اس سرگرمی کے طلب کے اختیار	جو ایسی سرن کی ہاؤس کا سنا یا جانا - دے -	

[illegible]

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۳۵۹	بابت کرنا اختیار کر تحقیقات فرم کی جائے یا	۳۵۹	شہادت تحت دفر ۳۵۹ یا ۳۵۸ کہ طلبہ کرنا اختیار
۳۶۰	شہادت فرید کیا جائے۔	۳۶۰	ضابطہ مخصوص دلیلی شہادت کے جبکہ مکمل ہو جائے
۳۶۱	اختیار کرنا ایک کوٹ کا دربارہ بحال رکھنے حکم مندر کے یا	۳۶۱	ملازم یا ایک کے مکمل کو شہادت کا سنا دینا۔
۳۶۲	منسج کرنے میں تخریب کے کسی دوسرے جرم ثابت ہو گیا ہو	۳۶۲	تقریر شہادت صاحبان مجسٹریٹ پریذیڈنسی کی عدالتوں میں
۳۶۳	کالی حکم مندر کے حکم مندر کے دفر کے دفر کے	۳۶۳	کیفیت نسبت اذخار و کلمات گواہ کے
۳۶۴	ضابطہ اختلاف رسے کی صورت میں۔	۳۶۴	زبان بندی ملازم کی کہیں کہ طلبہ کیا جائیگی۔
۳۶۵	ضابطہ امن مقلات میں جو بحالی کیے گئے یا گئے ہیں	۳۶۵	تقریر شہادت ایک کوٹ میں۔
۳۶۶	ضابطہ ایسے مقدمات میں جو ایسے مجسٹریٹ کے	۳۶۶	بابت رائے کے
۳۶۷	حکم مندر کے دفر ۳۶۷ کی رو سے عمل کرنا مجاز ہو۔	۳۶۷	رائے نائیک طریقہ۔
۳۶۸	بابت تعمیل احکام مندر	۳۶۸	رائے کس زبان میں ہوگی مضمین رائے مندر
۳۶۹	تعمیل حکم جو حسب دفر ۳۶۹ صادر ہو	۳۶۹	مجلسی البیروت۔
۳۷۰	دفر کے حکم مندر کے موت جو حاملہ عورت ہو	۳۷۰	حکم مندر کے موت۔ حکم مندر مجلس عبور ویتے شور
۳۷۱	ادویہ و دوائی میں حکم مندر مجلس عبور ویتے شور	۳۷۱	عدالت مانے کنٹینل ڈکریٹنگ
۳۷۲	دارنٹ بغرض تعمیل کے نام لکھا جاوے گا۔	۳۷۲	مجسٹریٹ پریذیڈنسی کی رائے۔
۳۷۳	دارنٹ کے ساتھ میں دیا جاوے گا۔	۳۷۳	ممانے بغیر اور خواہش کرنے پر ملازم کو دیا جائیگی۔
۳۷۴	دارنٹ بغرض وصول جرم کے	۳۷۴	اس شخص کی صورت میں جسکی نسبت حکم مندر موت
۳۷۵	و ایسے دارنٹ کا اثر۔	۳۷۵	صادر ہوا ہو۔
۳۷۶	حکم مندر کے قید کی تعمیل کا اہواز۔	۳۷۶	ممانے کا کب تر جرم لکھا جاوے گا۔
۳۷۷	حکم مندر کے قید کی تعمیل جاری کیا جاسکتا ہے	۳۷۷	عدالت سشن تجویز اور حکم مندر کی نقل مجسٹریٹ ضلع
۳۷۸	صرف حکم مندر تازیانہ کی تعمیل	۳۷۸	کے پاس بھیجے گی۔
۳۷۹	حکم مندر تازیانہ ہار دیا و قید کی تعمیل۔	۳۷۹	بابت ترسیل احکام مندر بغرض بحال عدالت اعلیٰ میں
۳۸۰	مندر دینے کا طریقہ۔ قضا و قضا کی حد	۳۸۰	حکم مندر کے موت عدالت سشن مندر کر دی۔
۳۸۱	مندر دینے کا طریقہ۔ قضا و قضا کی حد	۳۸۱	بابت ترسیل احکام مندر بغرض بحال عدالت اعلیٰ میں
۳۸۲	مندر دینے کا طریقہ۔ قضا و قضا کی حد	۳۸۲	حکم مندر کے موت عدالت سشن مندر کر دی۔

صفحہ	مضمون	صفحہ	مضمون
۳۹۳	اہل بناراضی حکم شرع داخل کرنے ضمانت نیک چلتی کے	۳۹۳	حالیہ نہانی مل میں نہیں ہوگی مگر مجرم خدشتہ نہ
۳۹۴	اہل بناراضی حکم شرع صحت و شرط و وجہ دوم یا سوم	۳۹۴	قبیل کی صورتی -
۳۹۵	بکے چلون کا مجسٹریٹ درجہ اول کے پاس منتقل ہونا	۳۹۵	ضابطہ اگر مزار کے حسب دفعہ ۳۹۴ مل میں نہ آئے
۳۹۶	اہل بناراضی حکم شرع صحت و شرط و وجہ اول	۳۹۶	قیدیان فراری پر حکم سزا کی قبیل -
۳۹۷	اہل بھارت سشن کیمپن کر سماعت میں آئے گا	۳۹۷	حکم سزا اس مجرم کی نسبت کر سکتی نسبت کسی اور مجرم
۳۹۸	اہل بناراضی حکم سزا کے حالات سشن -	۳۹۸	کی علت میں حکم سزا صادر ہو چکا ہو -
۳۹۹	مجسٹریٹ پر ریڈنسی کے حکم سزا کی نافرمانی سے اہل	۳۹۹	دفعہ ۳۹۶ و ۳۹۷ کا محفوظ رہنا -
۴۰۰	بعض مہتمم میں ہو گیا اہل اقبال پر حکم کر کے کوئی دلیل نہ ہو سکیگا	۴۰۰	مناویب مگر یوں میں دفعہ ۳۹۷ میں کون کا حبس -
۴۰۱	خفیہ مقدمات کا اہل نہیں ہے -	۴۰۱	حکم سزا کی قبیل کے بعد وارنٹ کا واپس کرنا -
۴۰۲	ان بعض تجویزات سہری کی نافرمانی سے جن میں مجسٹریٹ	۴۰۲	باب (۱۷۹)
۴۰۳	قرار دیا جائے اہل نہ ہو سکیگا -	۴۰۳	باب مصلحتی اور معافی اور تبدیل احکام سزا
۴۰۴	دفعہ ۴۰۳ و ۴۰۴ کے متعلق شرط	۴۰۴	احکام سزا کے مصلحت یا مصلحت کر نیکا اختیار -
۴۰۵	ان حکم سزا مستثنیٰ ہو جائے گا اور اہل اقبال کی نسبت نہ ہوگی	۴۰۵	تبدیل سزا کا اختیار -
۴۰۶	اہل از طرف گورنمنٹ ہات کی صورت میں -	۴۰۶	باب (۱۸۰)
۴۰۷	اہل کن ہمد میں قابل مقبول ہوگا -	۴۰۷	باب برائت یا اثبات جرم سابقہ
۴۰۸	سوال اہل -	۴۰۸	جو شخص ایک بار مجرم ٹھہر چکا ہو یہ جسکی ایک بار برائت ہوگی
۴۰۹	ضابطہ حبس اہل یا نہ جیل خانہ میں ہو -	۴۰۹	ہو سکتا ہے کہ جو چیز اسی جرم کی بابت پر نہیں ہوگی
۴۱۰	اہل کا بطور سرسری ڈسمس ہونا -	۴۱۰	حصہ ہفتم
۴۱۱	اہل کی اطلاع -	۴۱۱	باب اہل اور مستصواب اور نظر ثانی
۴۱۲	انفصال اہل میں حالات اہل کے اختیارات	۴۱۲	باب (۱۸۱)
۴۱۳	محکم کی عدالت سے اہل کی رہائش -	۴۱۳	باب استاپیل
۴۱۴	بائیگورٹ اہل کو حکم کا شریعت عدالت تحت میں ہوگی	۴۱۴	کوئی اہل در نہیں ہوگا - الا جبکہ اور طرح حکم ہو
۴۱۵	اہل کے دوران میں حکم سزا مطلق بنانا یا جزائی مطلق	۴۱۵	اہل بناراضی حکم سزا سنواری و خدشتہ در باب
۴۱۶	حکم سزا کے اہل کے تحت ملامت کی گرفتاری -	۴۱۶	واپسی مال قرض شدہ کے



مضمون	فہرات	مضمون	فہرات
عدالت میں شہادت فرماتے ہوئے جانکی جہاں	۴۲۸	کھڑکی میں خیمہ خودی بھلائی بل پر یکے دہل کر کا کے	
مکمل ہے۔		محاسبین محطرت اور ان کی تحقیقات اور تجویز کر کے	
خداوند پرکھت ہیں کہ کھان کے خداوند ساری خفیا لائیں	۴۲۹	جو عیادت بھلائی بل پر پیر لکے جانیں	۴۳۰
پہل میں احکام کا مافی ہوا۔	۴۳۰	سشن میں رعیت بھلائی بل پر پیر لکے سشن	
وہوں کا سا نظار ہو جانا۔	۴۳۱	سشن میں جن میں کس کس پر پیر لکے سکن خاص سشن	۴۳۲
باب (۳۲)		ساعت میں جن میں جو رعیت بھلائی بل پر پیر لکے سرنو	۴۳۵
بابت استصواب و نظر ثانی		احکام سزا جو صاحبان محطرت منصف سار کر کے ہیں	۴۳۶
محطرت پر پیر لکے کا استصواب پر سنے ٹیکوٹ سے	۴۳۷	فرم کہ عدالت سشن میں لکے ہائیکوٹ میں ٹیکوٹ	۴۳۸
انفصال مقدمہ طلاق فیصلہ ہائیکوٹ کے حاجت سیکوٹ کے	۴۳۸	ان جو ہوئی تجویز جن میں سے ایک جرم طلاق میں نہایت	
جنوں کے فتویٰ رکھنے کا اختیار جو ہائیکوٹ کے اختیار		بجور دروازے غور کے جو اور باقی جرم اس سزا لائی	۴۳۸
فیصلہ انہائی کے علین و تے وقت پیدا ہوں مضابط		وہ احکام سزا جو عدالت سشن سار کر کے سکتی ہے مضابط	
جیکوٹ کی بحث کا تصفیہ فتویٰ رکھا جادے	۴۳۹	جیکوٹ سشن میں اپنے اختیارات کو غیر کافی پائے۔	۴۴۰
عدالت کے دے کی سٹون کے قلب کر کیا اختیار	۴۴۰	جو ہی یا سیشن میں ہائیکوٹ سارا عدالت سشن کے روبرو	۴۴۱
حکم پیر کی کا اختیار۔	۴۴۱	محطرت ضابط کے روبرو رعیت بھلائی بل پر پیر کا حق	
حکم تحقیقات سار کر کیا اختیار۔	۴۴۲	دراہد طلب کر کے جو ہی جعفری صورتوں میں اختیار	۴۴۱
ہائیکوٹ میں پیر لکے کرنا۔	۴۴۳	تجویز مقدمہ رعیت بھلائی بل پر پیر اور سیشن کی جیکوٹ	
ہائیکوٹ کے اختیارات دربارہ نظر ثانی اسکے۔	۴۴۴	دونوں پر بالا ستر اک الزام لگا یا جائے کہ ویسی	
نظر ثانی کے عدالت کی ساعت عدالت کی مرضی پر نوٹ	۴۴۵	آوی جہاں لگاتہ تجویز مقدمہ کا دعویٰ کر سکتا ہے۔	۴۴۶
محطرت پر پیر لکے کے اس میں جن میں اسکے		ضابطہ جیکوٹ کی شخص کا دعویٰ ہو کہ اسکے ساتھ	
فیصلہ کی وجہ ہائی ہائیکوٹ میں کر کے	۴۴۶	رعیت بھلائی بل پر پیر محطرت عداوت کی جائے	۴۴۷
ہائیکوٹ کو حکم کا سٹریٹ عدالت سخت یا محطرت کو	۴۴۷	رعیت کا دعویٰ نہ کر جیسے اس دعوے کو صاحب ہونا لازم	۴۴۸
تجویز مقدمہ رعیت بھلائی بل پر پیر کا حق		رعیت بھلائی بل پر پیر کا حق نہیں ہے۔	۴۴۹
کارروائی ہائیکوٹ کے خاص	۴۴۹	اس رعیت بھلائی بل پر پیر کا جو بطور نا جائز نظر بند	

مضمون	دفت	مضمون	دفت
نکاح کیا ہے۔ جن کو در سب سے اہل علم کے وہ خواہست کرے		جن کو نکاح کیا گیا۔ جناب ذاب گوید جنرل بہادر با احساس	
کہ او کو با بیگہ کے حضور حاضر کیا جائے۔		۴۵۶ جنرل کا مجرمین فائر انقل کو جو دکل کو گرنٹ کے	
ضابطہ مطلق دہس و درخت کے۔		۴۵۷ حکم سے مجرمین ہون ایک سو سے دو سو میں تبدیل	
دو ملک خلیفہ اندر جگہ۔ یا بیگہ کو لیے احکام صادر کر سکتی ہو		۴۵۸ ہر ایک حکم دینے کا اختیار انکسٹر جنرل کو بعض خواہ	
ان ایکٹوں کی تعلق پذیری جنگی رو سے مجسٹریٹوں یا عدالت کے		۴۵۹ سبک دین کر کے باب بین دکل گرنٹ کا اختیار	۴۵۱
سشن کو اختیار سماعت بخشا جاتا ہے۔		۴۵۹ فائر انقل قیدیوں کا انکسٹر جنرل مانتہ کرے گا۔	۴۵۲
جوری دہسے تجویز مقدمہ اشخاص اہل یورپ یا امریکا کے		۴۶۰ ضابطہ جبکہ ریٹ ہو کہ فائر انقل قیدی اپنی جوری	
جوری جبکہ اہل یورپ یا اہل امریکا پر شرکت کسی شخص غیر		۴۶۱ کو سبکے قابل ہے۔	۴۵۳
قوم کے الزام لگایا جاوے۔		۴۶۱ ضابطہ جبکہ فائر انقل کی نسبت جو سب سے ۴۶۱ یا ۴۶۱	
محبہ دفعہ ۴۵۰ یا ۴۶۱ یا ۴۶۱۔ اہل جوری کو طلب کرنا		۴۶۲ مجرمین جو یا نظر کیا جاوے کہ وہ روٹی کے قابل ہو	۴۵۴
اور ان کی فہرست اسرار مرتب کرنی۔		۴۶۲ قرا تہذیب کی جوری میں فائر انقل کا ۱۲۰ اور ۱۲۰	۴۵۵
کارروائی عدالت فوجداری ضابطہ رعایا کے جرنیل اہل پست و غیر		۴۶۳	
یا (۱۳۴)			
اشخاص فائر انقل			
ضابطہ جس صورت میں ملزم فائر انقل ہو۔		۴۶۴ ضابطہ میں مورثین میں جلی خیر دفعہ ۱۹۵ میں لکھی ہے	۴۵۶
ضابطہ جبکہ وہ شخص جو عدالت سشن یا بیگہ رٹ میں		۴۶۵ اختیار دات سشن کو مخصوص ہے۔ جرم کو ۱۲۰ اور ۱۲۰	۴۵۷
سید ہو یا جو فائر انقل ہو۔		۴۶۵ عدالت کارروائی عدالت کا اختیار دہر دکل کر کے تحقیقات	
مخلص فائر انقل کی تا دوران تفتیش یا تجویز کے		۴۶۶ اور جو کر کے مقدمہ کے یا بیگہ رٹ یا عدالت سشن میں	۴۵۸
فائر انقل کی حراست۔		۴۶۶ ضابطہ عدالت دہانی یا مالی کا دہسے مقدمات میں	۴۵۹
تحقیقات یا تجویز مقدمہ کا پھر شروع ہونا۔		۴۶۷ ضابطہ بعض مقدمات فوجداری میں۔	۴۶۰
ضابطہ جبکہ ملزم مجسٹریٹ یا عدالت کے دربرو حاضر ہو۔		۴۶۸ امریکا روڈ دہسے مقدمات میں۔	۴۶۱
جبکہ ملزم ایک ملزم غیر مخلص انقل تھا		۴۶۸ ضابطہ جبکہ عدالت یہ کہے کہ مقدمہ کی نسبت حسب	
جرم سے بری ہوئی کہ اسے بری بنا د فائر انقل کے		۴۶۹ دفعہ ۱۸۰ کا دہسے نہوا جائے۔	۴۶۲
شخص جس کو دہسے بنیاد پر بری کیا جاوے وہ دہسے موقوف		۴۶۹ کب جرنل ایکٹ و جرنل حسب امر و نجات نامہ	

صفحہ	فہرات	صفحہ	فہرات
۳۸۳	عدالت و دوائی بھوجا بھنگا۔	۳۹۵	پیروی استغفار کی اجازت۔
۳۸۴	حکم بچاوت سے یا سبوت کرتے پر مجرم کی رہائی	۳۹۶	ما (۳۹)
۳۸۵	کسی شخص کی قید یا سیر کی جگہ وہ جواب دینے سے یا	۳۹۷	بابت حاضر ضامنی
۳۸۶	وٹا دیڑ پیش کرتے سے انکار کرے۔	۳۹۸	کن ضامن بن حاضر ضامن کی بجائی۔
۳۸۷	مقتات تو بن میں اثبات جرم کی ناراضی سے اپیل	۳۹۹	جرم غیر قابل ضمانت کی صورت میں کب حاضر ضامن ہو سکتا ہے
۳۸۸	بعض جمع اور محشر طبع جرم سنگرد و دفعہ ۹۵ کی تجویز	۴۰۰	حاضر ضامنی پر یا چونے باقدا و حاضر ضامن کی بجائی
۳۸۹	ڈاکٹر کیس جس کے جگہ دواؤں کے دور و دراز ہوں۔	۴۰۱	بکلا اور ضمانت نامہ لازم اور ضمانت کا۔
۳۹۰	ما (۳۹)	۴۰۲	حراست سے رہائی۔
۳۹۱	زوجات و اطفال کی پرورش	۴۰۳	کافی حاضر ضامنی کے حکم دینے کا اختیار جس کی غیر کافی ہو
۳۹۲	حکم دے سطر پرورش زوجات و اطفال کے حکم کی باجور میں	۴۰۴	ضامنوں کی رہائی۔
۳۹۳	کفایت میں تفسیر۔	۴۰۵	ما (۴۰)
۳۹۴	حکم پرورش کی باجور میں۔	۴۰۶	بابت اجراء کے مکیش اسٹا فلیمنڈ کرنے کے زبا بخیر ہو
۳۹۵	ما (۳۹)	۴۰۷	کی کب گواہ کی حاضری سے درگد رکھا جاسکتا ہے۔
۳۹۶	ہدایات میں قبل پر داندہ گرفتاری ہو سہ سبیس کا لپس	۴۰۸	اگر اس کے مکیش اور ضابطہ کار و دالی تحت مکیش۔
۳۹۷	اختیار اجراء کے ہدایات میں قبل پر داندہ سبیس کا لپس کے	۴۰۹	مکیش جس کے گواہ بلکہ پر زبانی کے اندہ ہو۔
۳۹۸	حصہ	۴۱۰	زرقین گواہ کی زبان بندی کے سکتے ہیں۔
۳۹۹	احکام مشہور او	۴۱۱	اختیار و فصل کے محشر طبع ماتحت کا دوبارہ استواء اجراء کے
۴۰۰	ما (۳۹)	۴۱۲	مکیش کی داپسی۔
۴۰۱	بابت پیر و کار مختاب سرکار	۴۱۳	تفصیلات یا تجویز مقدمہ کا ملتی رہند۔
۴۰۲	پیر و کار مختاب سرکار کے مقرر کرنے کا اختیار	۴۱۴	ما (۴۱)
۴۰۳	پیر و کار مختاب کا جملہ عدالتوں میں ان مقدمات میں	۴۱۵	قواعد خاص متعلقہ شہادت
۴۰۴	کر سکتا جو اس کے سپرد ہوں اور وہ دلا جن کو کافی طور پر مقرر	۴۱۶	گواہ ڈاکٹری شہادت کا اظہار گواہ کو کس طرح کر سکتا ہے
۴۰۵	کیا جاسے پیر و کار مذکور کے زیر ہدایت رہیں گے	۴۱۷	مستحق کی بجائی رہیٹ۔
۴۰۶	استغفار سے دست بردار ہوئی یا تفسیر۔	۴۱۸	مکیش کی سزا یا جرم سے سزا بیکار شہادت کی جگہ

مضمون	دفعات	مضمون	دفعات
ملازم کی غیبت میں شہادت کا تعلق نہ ہا۔ شہادت کا	۵۱۲	جانب اب گزیر خزل جہاد باجلاس کو نسل کا اختیار	۵۲۷
تعلق نہ کرنا جبکہ مجرم نامعلوم ہو۔	۵۱۳	در بارہ انتقال مقدمات فوجداری اور اپیلوں کے	۵۲۸
باب ۲۴۱ احکام بابت جھگڑا اور ضمانت نامہ	۵۱۴	محکمہ شریعت ضلع یا محکمہ شریعت سب ڈویژن مقدمات پر	۵۲۹
جھگڑا کے عوض ذرا نقد کا جمع کر دینا۔	۵۱۵	باس اٹھا لے سکتا ہے یا کسی اور محکمہ شریعت کی سہولت	۵۳۰
ضابطہ جیکہ جھگڑا کا تادیب قابل اخذ ہو جائے	۵۱۶	محکمہ شریعت ضلع کو اس بات کے مجاز دہن کے اختیار	۵۳۱
احکام دفعہ ۵۱۳ کا پیل اور اوکی نظر ثانی۔	۵۱۷	کلیف تمام مقدمات کو اپنے پاس اٹھا لے۔	۵۳۲
سیکرٹری کا اختیار بعض محکمہ کی طرف سے وصول کئے جہاد میں	۵۱۸	باب ۲۴۲ بابت کارروائی خلاف ضابطہ	۵۳۳
باب ۲۴۳ بابت تصرف مال کے	۵۱۹	دو ضابطہ بطلان جیسے کارروائی میں داخل نہیں ہوتی	۵۳۴
حکم در بارہ تصرف اس مال کے جس کی بابت جرم سرزد ہو ہو	۵۲۰	دو ضابطہ بطلان جیسے کارروائی میں داخل ہو جائیگی	۵۳۵
حکم مشعر کے کہ مل محکمہ شریعت ضلع یا محکمہ شریعت سب ڈویژن	۵۲۱	کارروائی خلاف مقام میں۔	۵۳۶
کو جواب دیا جائے۔	۵۲۲	کلیف ضابطہ سب ڈویژن میں صحیح چلتی ہیں۔	۵۳۷
ملازم کے پاس سے جو روپیہ ملے وہ قصور خیز را کر دیا جائے	۵۲۳	دفعہ ۱۳۲ یا ۱۳۳ کے احکام کی عدم تعمیل۔	۵۳۸
ملازم کے حکم حسب دفعہ ۵۱۴ یا ۵۱۸ یا ۵۱۹ کے	۵۲۴	اس امر کا استفسار کرنا جو دفعہ ۱۳۲ کے ضمن (۲۰)	۵۳۹
تحت آمیز مضامین اور دیگر چیزوں کا ضلع کر دینا۔	۵۲۵	کی رو سے مقرر کیا گیا ہے۔	۵۴۰
جہاد اور غیر متعلقہ پر پھر تفتیش دلائی کا اختیار۔	۵۲۶	قرارداد و عدم کے متنازعہ کرنا اثر۔	۵۴۱
ضابطہ نویس جیکہ ایسا مال ضبط کیا جائے جو حسب دفعہ	۵۲۷	اس جرم کی جو ذریعہ جرم کے جس کی جو ذریعہ جرم کے	۵۴۲
۱۵ دیا گیا ہو یا جرمی ہو ہو۔ ضابطہ جیکہ مال ضبط شدہ	۵۲۸	کے ہوئی جائے۔ اس جرم کی جو ذریعہ جرم کے	۵۴۳
کا ایک غیر معلوم ہو۔	۵۲۹	کے جس کی جو ذریعہ جرم کے ہوئی جائے۔	۵۴۴
ضابطہ جیکہ کوئی دعویدار جو جیسے کے اندر حاضر ہو	۵۳۰	جو ذریعہ جرم کے ہوئی جائے۔	۵۴۵
ملازم ضلع ہو یا ملے ال کے بیجے کا اختیار۔	۵۳۱	جرم میں ملے کارروائی میں قابل موقوف ہے	۵۴۶
باب ۲۴۴ بابت انتقال مقدمات فوجداری	۵۳۲	قرنی اجازت نہیں ہے اور مذکورہ کرنا داخل کرنا	۵۴۷
یا محکمہ شریعت منتقل کر سکتی ہے یا ملو کی جو ذریعہ جرم کے	۵۳۳	باعت ناقص یا خلاف نمونہ ہو چکے کسی کارروائی میں	۵۴۸
پیر کا جو جانب سے کارروائی درخواست تحت دفعہ ۱۳۱ کے اطلاع	۵۳۴	باب ۲۴۵ متفرقات	۵۴۹
درخواست تحت دفعہ ۱۳۱ کے بار پر التوا۔	۵۳۵	دو درجہ میں اسٹیشن کے درجہ میں ملے کو لے جائیگی	۵۵۰

مضمون	دفعات	مضمون	دفعات
غزوی اور ایک کلب کے ایک شخص کے ایک زبان بندی لفظ کا اختیار	۵۴۰	دو تھوڑے جس سے حج یا محشر میں تعلق ذاتی یا کتباً ہو	۵۵۸
مقام قید کے منظور کیا اختیار ایسے اشخاص پر یا محرم قید		بعض حالات میں پیشہ رکالت کرنا اور ایڈیٹر جیٹ	
دار کو فوجی جیل میں تبدیل کرنا جو کسی دیوانی جیل میں		محشر میں اجلاس نہیں کر سکتا ہے۔	۵۵۶
محسوس ہونے والے لوگوں کو پیر پوانی جیل میں بھیجنا۔	۵۴۱	اختیار یا فہم کر کے اس امر کو کہ کوئی جیل میں جانی	۵۵۸
محشر میں پیر پوانی کو اختیار در خصوص صلوات کرنے اس عام کے		جیل میں اب کو نہ جیل جوار اجلاس کو نسل اور کوکل کو نہشت	
کسی جیل میں قیدی یا سزا دہندہ کے حاضر کیا جائے	۵۴۲	کے اختیارات و تقاضاؤں کے عمل میں نہیں آتے	۵۵۹
ترجمان کو جو براہ راست راست بیان کرنا لازم ہے	۵۴۳	ہر دو زبان میں تعلیم نہ جاننا کو خوب تر اور اگر کوئی نہ جانتا	۵۶۰
غزویوں اور گواہوں کے اعتراضات۔	۵۴۴	خاص احکام ضمنی جرم جملہ الجبر و شہر سے صادر ہو	۵۶۱
حالات کا اختیار در بارہ دلائل اعتراضات یا سزا دہندہ کے جواز سے	۵۴۵	<b>مجرمان اول</b>	
پیر پوانی کے جائز ہونے کے لفظ لاشعور میں کیا جائے گا	۵۴۶	حالات کا اختیار در خصوص غصے کے ایک جیل میں کی شرط	
دار کو جیل اور کمرے کے پول پرانہ کے دھول گئے جائینگے	۵۴۷	پر بعض صاف کرنے کے حکم سے قید کے۔	۵۶۲
رہنما کی مقدمہ کی نقول۔	۵۴۸	حکم جرم اور جملہ کی مترادف کی نقول کو نہیں ضروری ہے	۵۶۳
ان لوگوں کو کلام قوی کہہ کر ان کے مقدمہ کی تجویز دینا کہ		مجرم کی جائے سکونت کی نسبت غریب	۵۶۴
اثر کے ہونی چاہئے۔ ایسے اشخاص کی گرفتاری۔	۵۴۹	<b>سابق کے مترادف مجرمان</b>	
ایسے ان کے گرفتار کرینگے باپ میں پاپس کے اختیار		سابق مترادف مجرم کے قید کی اطلاع کو باپ میں حکم	۵۶۵
جس کے سرور نہ پیدائش ہو۔	۵۵۰	ضمیمہ ۱۔ اپنا کھٹ ہو سوخ ہوئے۔	
پیر پوانی کے جرم کے جرم داران پاپس کے اختیارات	۵۵۱	ضمیمہ ۲۔ نقشہ جرایم۔	
پیر پوانی جیل میں جرم کو جرم اور کمرے یا جیل کا اختیار	۵۵۲	ضمیمہ ۳۔ اختیارات متولی صاحبان محشر میں	
صاف دہندہ ان اشخاص کو جن کو بلند پیر پوانی میں ملازم ہو		ضمیمہ ۴۔ اختیارات زیادہ جو صاحبان محشر میں	
حالات کیا جادو ہے۔	۵۵۳	کو عطا ہو سکتے ہیں۔	
عدالت کی کہ قیدی کی جیل میں اختیار کہہ کر ان کے		ضمیمہ ۵۔ زنجیرات۔	
کی جیلوں کے ساتھ کے لئے قواعد دفع کرین اور دیگر لوگوں کا		تمام شد	
اختیار در باب دفع کرنے کے لئے قواعد دفع کرین اور دیگر غرضوں کے	۵۵۴	<b>مطبوعہ کنیا لال پریس لکھنؤ</b>	
فرمے۔	۵۵۵		

# ایکٹ نمبر ۵۱ بابت ۱۸۹۸ء

(حال تک کی ترمیمات کیساتھ)

جاری فرمودہ جناب نواب گوزر خیرل بہادر مہندیا جلاس کونسل کا

تاریخ ۲۲ - مارچ ۱۸۹۸ء

ایکٹ بغرض اجتماع و ترمیم قوانین متعلق ضابطہ فوجداری -  
ہر گاہ یہ امر قریں مصلحت ہے کہ قوانین متعلقہ ضابطہ فوجداری مجتمع و ترمیم کئے جائیں لہذا اسکی  
رد سے حسب ذیل حکم ہوتا ہے

(۱)

مرتبہ ابتدائی  
(۱)

فقہ نامہ آغاز (۱) دفعہ ۱۱ جائز ہے کہ یہ ایکٹ مجموعہ ضابطہ فوجداری صدر ۱۸۹۸ء کے کلائے اور  
یہ یکم جولائی ۱۸۹۸ء کو نافذ ہونا چاہیے۔

۵۱ بیان افراغی و وجوہات کے لئے ملاحظہ طلب گزٹ آف انڈیا ۱۸۹۷ء حصہ ۵ صفحہ ۳۴۳۔ رپورٹ کیٹی خاص  
کیئے ملاحظہ طلب گزٹ نوٹور ۱۸۹۷ء حصہ ۵ صفحہ ۱۹-۱۱ اور نوٹور کونسل کیئے ملاحظہ طلب گزٹ نوٹور ۱۸۹۷ء  
صفحات ۲۳۸ و ۲۵۰ اور گزٹ نوٹور ۱۸۹۸ء صفحات ۱۰۱ و ۱۰۲ و ۱۰۳۔

ایکٹ ہذا کا سوتال پرگونوں میں سوتال پرگونوں کے بندوبست کے ریگولیشن ۱۸۹۷ء صدر ۱۸۹۷ء کی دفعہ ۳ کے  
ذریعہ سے۔ جیسے اسکی ترمیم سوتال پرگونوں کے محدث اور آئینوں کے ریگولیشن ۱۸۹۷ء کی دفعہ ۳ سے ہوتی ہے  
(ترمیمات کے ساتھ) نافذ العمل ہونا اعلان کیا گیا ہے۔

ایکٹ ہذا کی ایکٹ ۱۸۹۷ء سے خلیع انٹول کے ریگولیشن ۱۸۹۷ء (نمبر صدر ۱۸۹۷ء) کی دفعہ ۳ کے

دست (۲) یہ ایکٹ تمام ظہورِ شش انداز سے متعلق ہے۔ لیکن در صورتِ نہی کسی حکم خاص کے خلاف

اسکے کوئی عبارت اس ایکٹ کی کسی قانون مختص ملام یا قانون مختص مقام یا قدا الحال پر یا کسی خاص

دفعہ خلاف صفر ۱۱ انگل میں موثر نہ دست پذیر کیا گیا ہے۔ ملاحظہ طلب کلکتہ گزٹ ۱۸۹۹ء صفحہ ۷۷۹

ایکٹ ہذا کا قانون برہا کے ایکٹ نمبر ۳۱۸۹۹ء کے ذریعہ سے جو مجموعہ قوانین برہا مطبقہ میں چھاپا ہے

پر برہا میں دیگر دستا سے شان کے پیش بہت ملاحظہ طلب محزون بالیدہ ملاحظہ العمل ہونا اعلان کیا گیا ہے۔

ایکٹ ہذا کا چاکھام کے اطلاع کو ہی کے ریگولیشن انٹر اسٹیشن ۱۸۹۹ء کے ذریعہ سے چاکھام کے اطلاع کو ہی

میں دوم ایک قید و خصوص ان خدمات کے بنی تجویز ذریعہ بعض اشخاص کے ہونا ملاحظہ العمل ہونا اعلان کیا گیا ہے

ایکٹ ہذا ذریعہ اشتراحت دفعہ ۲۰ ریگولیشن متعلق اطلاع سرحدی آسام ۱۸۹۹ء مقامات مندرجہ

ذیل میں دقت نافذ ہو گیا ہے۔ دیکھئے۔

کوہا کے کارو۔ اور کوہا کے خاصی دختیا۔ اور کوہا کے ناگا۔ اور ضلع کجاہ کاسب ڈوئین شمالی کجاہ۔

اور اطلاع کو ہی دیگر دفعہ ضلع نوکلان اور اطلاع سرحدی ڈوئین و گڑا واقع ضلع نگیم پور کوہا کے لاشانی۔ ملاحظہ

طلب آسام گزٹ ۱۸۹۹ء صفحہ ۸۸۸۔

ایکٹ ہذا کا اشتراحت دفعہ الف ایکٹ اطلاع مندرجہ فهرست انٹر اسٹیشن ۱۸۹۹ء کے ذریعہ سے اطلاع

مندرجہ فهرست دقت چاکھام و دیگر چاکھام میں ملاحظہ العمل ہونا اعلان کیا گیا ہے۔ ملاحظہ طلب نورٹ سینٹ جارج گزٹ ۱۸۹۹ء

صفحہ ۲۰۶۔ اور گزٹ آف انڈیا ۱۸۹۹ء صفحہ ۸۶۹۔ اور ذریعہ اشتراحت دفعہ مذکورہ دفعہ الف کے تحت

الذیل دیگر اطلاع مندرجہ فهرست میں بھی۔ دیکھئے۔

اطلاع ہرنلی بلخ دوہارڈ کا میں اجاب ضلع راچی کلتا ہے ملاحظہ طلب کلکتہ گزٹ ۱۸۹۹ء صفحہ ۲۲۲

و ماہنوم و پلاٹوین اور برکنہ ڈیلا لہوم و کوکمان واقع ضلع سینگپوم میں ملاحظہ طلب کلکتہ گزٹ ۱۸۹۹ء صفحہ ۷۱۸

اور گزٹ آف انڈیا ۱۸۹۹ء صفحہ ۷۷۹۔ اور برکنہ ناچو رین۔ ملاحظہ طلب گزٹ آف انڈیا ۱۸۹۹ء صفحہ ۲۱۹

ہی اسکے اختیارات کو کل کو گزٹ اور نیز مجموعہ ہذا کی اغراض کے لئے عدالت ہائیکورٹ کے اختیارات بنیادی گزٹ ہرنلی

کے صاحب کینٹ ہارڈ سٹریٹ انڈیا کو بخشے گئے۔

ایکٹ ہذا ذریعہ اشتراحت دفعات ۵۵ الف ایکٹ ۳۱۸۹۹ء کے پیش پوجتیا میں دست پذیر

کیا گیا ہے ملاحظہ طلب گزٹ آف انڈیا ۱۸۹۹ء صفحہ ۲۲۱۔

ایکٹ ہذا قانون عدالت تجداری کے حکم ۱۸۹۹ء متعلق ریاستا سے شان کے ذریعہ سے جیسی اسکی ترجمہ

اشتہار نمبر ۲۹ موزہ ۱۹ دسمبر ۱۸۹۹ء کی رد سے ہوئی۔ سید ذکریا ست با سے شان میں دست پذیر کیا گیا۔

اختیارِ سماعت یا اقتدار پر یا کسی خاص طریقہ کار روائی پر جو کسی اور قانون نافذ الوقت کی مد سے مطالبہ مقرر ہوا ہو  
مقرر نہ ہوگی اور نہ کسی شخص مفصلہ ذیل سے متعلق ہوگی۔

الف) صاحبانِ کشتِ پولیس تھیں بلا حکومت و عدالت دہلی یا اشخاص پولیس تھیں بلا حکومت اور دہلی سے  
یا۔

ب) پریزیڈنسی عدالت میں گانون کے کمیٹیوں سے۔

ج) پریزیڈنسی مجسٹریٹ میں عدالت داران پولیس دہلی سے

مگر شرط یہ ہے کہ وہ کل گورنمنٹ کو اختیار ہو گا کہ اگر مناسب سمجھے تو جنابِ نواب گورنر جنرل جہاد باجلاس  
کونسل کی منظوری حاصل کر کے بذریعہ اشتہار مندرجہ گزٹ سرکاری کے اس مجموعہ کے احکام میں سے کسی  
حکم کو کسی فردی اصلاحیہ کیساتھ دینے سے سختی کئے ہوئے اشخاص سے متعلق کرے۔

ہذا ایکٹ ۱۸۹۸ء کی سرکاری دفعہ ۲۔ (۱) یکم جولائی ۱۸۹۸ء کو اور اس کے بعد اپنا کمنٹ مائے مفصلہ فیصلہ  
اولیٰ اس قدر منسوخ ہو جائیگا جس قدر فیصلہ مذکور کے خانہ چھاب میں درج ہیں مگر اس قدر نہیں کہ کوئی  
اختیارِ سماعت یا طریقہ کار روائی جو اس وقت موجود یا مستعمل نہ ہو بحال ہو جائے یا کہ برقرار رہنا کسی طرح  
بقیہ حاشیہ صفحہ ۲) مجموعہ ہذا کے بعض اجزاء کا کوہکین کی اقسام کے ریگولیشن (نمبر ۱۸۹۸ء کی دفعہ ۲) کے تحت  
اشتراک کے ذریعہ سے قطع کوہکین میں چالشی قوم کی افراد کی نسبت تعلق پذیر ہونا اعلان کیا گیا ہے۔ اور بعض اجزاء کا کوہکین  
جن کے ریگولیشن (نمبر ۱۸۹۸ء کی دفعہ ۲) کے تحت ہونا اعلان کیا گیا ہے۔ کوہکین میں قوم جن کی نسبت تعلق پذیر ہونا  
اعلان کیا گیا ہے۔ ملاحظہ طلب ہو جائے گا ایکٹ ۱۸۹۸ء صفحہ ۳۲۲

لے جنابِ نواب گورنر جنرل جہاد باجلاس کونسل کے اس اقتدار کی نسبت جو جنابِ محمد کوہکین کی حاشیہ کے اوراق بھی  
و اختیارِ سماعت امتدادی صحت و جداری کے چکار کئے لئے قواعد وضع کرنے اب میں حاصل ہے۔ ملاحظہ طلب ہوگی

ا) اوراقِ بحری کے ایکٹ (نمبر ۱۸۸۴ء کی دفعہ ۲)۔

ب) ملاحظہ طلب خیرا ہند کے قبلی آئین ایکٹ ۱۸۹۹ء

ج) حاکمیت کیلئے۔ ملاحظہ طلب کلکتہ پولیس ایکٹ (نمبر ۱۸۹۹ء کی دفعہ ۲) ملاحظہ طلب شہرِ مدراس  
کے پولیس ایکٹ (مدراس فیبرم ۱۸۸۵ء) یعنی کے لئے ملاحظہ طلب ایکٹ (نمبر ۱۸۸۵ء کی دفعہ ۲) ایکٹ (نمبر ۱۸۸۵ء کی دفعہ ۲)  
مدراس ۱۸۸۵ء جیسی ایکٹی ٹریم میں دہلی کے ایکٹ (نمبر ۱۸۸۵ء کی دفعہ ۲) کے ذریعہ سے ہوتی ہے۔

د) ملاحظہ طلب مدراس کارپوریشن فیبرم ۱۸۸۵ء اور مدراس کارپوریشن فیبرم ۱۸۸۵ء

۵) ملاحظہ طلب دہلی کے پولیس دہلی ایکٹ ۱۸۸۵ء دہلی ایکٹ (نمبر ۱۸۸۵ء کی دفعہ ۲)۔



اس وقت مجاہز مونا مجاہز ہو جائے۔

اشتمالات وغیرہ ایکٹ سے (۲۰) تمام اشتمالات اور اعلا شتمانات اور اختیارات اور منوجات اور حدود و مقامی اور کام سمران  
منسوخ شدہ کی رو سے دیگر احکام و قواعد اور تقررات جو مطابق کسی نیا ایکٹ کے جس مجموعہ کی رو سے منسوخ ہوا ہے یا

[illegible]

معدلات دہر (۳) اس مجرہ کے احکام میں حملہ کار و دانی سے متعلق ہونے پر اولہ آثار فقار مجموعہ ہذا کے رجوع کیجیائیں  
اور جہاں تک ممکن ہو ان حملہ معدلات سے جو کسی عدالت فوجداری میں اس مجرہ کے نافذ العمل ہونے وقت  
دائرہ میں۔

مجموعہ ضابطہ فوجداری اور دیگر ایکٹس (۱۱) ہر ایک ایکٹ میں جو مجرمہ ہذا کے زیر پر ہوئے سے پہلے  
منسوخ شدہ لا حوالہ کا تھا۔

۱۸۶۲ء عرصہ ایکٹ ۱۸۵۲ء کا بیان کے کسی باب یا دفعہ کا یا کسی اور اینا کٹمنٹ کا جواز دے مجرمہ  
 تھا منسوخ ہو چکا تھا ہو دیا حوالہ جان کہ جس کے ممکن ہو اسی مجرمہ کا یا اس مجرمہ کے باب یا دفعہ  
 ہم مضمون کا حوالہ تھا حوالہ دے گا۔

سابقہ کیٹون کی عبارت میں ۲۲ ہزار ایکٹنٹ میں جو قبل اثر پذیر ہوتے مجموعہ ہڈا کے صادر ہوا جو عبارت مضمون ذیل سے  
یعنی ”عمدہ دار جو اختیارات دیا اختیارات کامل مجسٹریٹ ناؤ کرنا دیا کہتا ہوں اور ”مجسٹریٹ تخت درجہ اول“  
اور ”مجسٹریٹ تخت درجہ دوم“ سے ”مجسٹریٹ درجہ اول“ اور ”مجسٹریٹ درجہ دوم“ اور ”مجسٹریٹ درجہ سوم“  
بالنسبہ مراد لے جائیگا۔ اور لفظ ”مجسٹریٹ حصہ صلح“ سے ”مجسٹریٹ سب ڈوئرن“  
اور لفظ ”صلح کا مجسٹریٹ“ سے ”مجسٹریٹ صلح“ اور ”مجسٹریٹ پولیس“ سے ”مجسٹریٹ پریزیڈنسی“  
میا جائیگا۔ اور الفاظ ”جائٹ سشن جج“ سے ”اڈیشنل سشن جج“ مراد ہوگا۔

تقریبات | دفعہ ۴۔ دلائل مجرہ بین الفاظ اور اصطلاحات مفصل ذیل سے مفصل ذیل معنی لئے  
 جانیں گے (۱) اس عبارت میں کہ مضمون "اسیاق عمارت سے اُس کے خلاف مراد پائی جائے۔"  
 ایڈیٹور کیٹ جنرل (الف) الفاظ "ایڈیٹور کیٹ جنرل" میں سرکاری ایڈیٹور کیٹ یعنی وکیل شامل ہے یا  
 جان کوئی ایڈیٹور کیٹ جنرل یا سرکاری وکیل تو ایسا عہدہ دار شامل ہے جس کو کوئل گورنمنٹ متعلق  
 اس کام کے لئے مقرر کرتی رہے۔

جرم قابل ضمانت (دب) الفاظ "جرم قابل ضمانت" سے وہ جرم مراد ہے جو اس مجموعہ کے ضمیمہ دوم میں  
 جرم غیر قابل ضمانت قابل ضمانت قرار پایا ہے یا کسی اور قانون نافذ الوقت کی رو سے قابل ضمانت ٹھہرایا گیا  
 ہے۔ اور الفاظ "جرم غیر قابل ضمانت" سے اور ہر قسم کا جرم مراد ہے۔

فرد قرار واد جرم (ارج) الفاظ "فرد قرار واد جرم" میں فرد قرار واد جرم کی کوئی مد داخل ہے۔ جب فرد  
 قرار واد جرم مذکور میں ایک سے زیادہ دہات ہوں۔  
 چیف جسٹس (د) الفاظ "چیف جسٹس" میں چیف کورٹ پنجاب کے جج اعلیٰ اور چیف کورٹ  
 برہما کے جج اعلیٰ یا سینیئر جج بھی شامل ہیں۔

کلاک آف دی کراؤن (کا) الفاظ "کلاک آف دی کراؤن" یعنی کلاک شاہی میں ہر عہدہ  
 دار شامل ہے۔ جس کو چیف جسٹس نے اون خدمات کی تعین کے لئے بالخصوص  
 متعین کر رکھا ہو جو اس عہدہ کی رو سے کلاک آف دی کراؤن کو منحوس ہوئی۔

جرم قابل دست اندازی (دو) الفاظ "جرم قابل دست اندازی" سے وہ جرم مراد ہے اور  
 مقدمہ قابل دست اندازی مقدمہ قابل دست اندازی سے وہ مقدمہ مراد ہے جس کے لئے اور  
 جیسین عہدہ پولیس کو بلا دیرینہ نسی کے اندر یا باہر مطابق ضمیمہ دوم یا کسی قانون نافذ الوقت کے  
 بموجب اختیار ہے کہ بلا حصول وارنٹ کے گرفتار کرے۔

کشمکش پولیس (ذر) الفاظ "کشمکش پولیس" میں پولیس کشمکش داخل ہے۔  
 ہالش (ارج) لفظ "ہالش" کے کسی شخص کو بیان کہ کوئی دوسرا شخص معلوم یا معلوم جرم کا مرتکب ہوا ہے  
 مراد یہ ہے جو تقریر یا تحریر یا محضر پیش رو پر دیکھا جاوے اس نظر سے کہ محضر پیش اس پر اس مجموعہ کے  
 مطابق عمل کرے۔ لیکن اسپین رپورٹ عہدہ دار پولیس داخل نہیں ہے۔

رجٹ برٹانیا ایل برپا (ظ) الفاظ "رجٹ برٹانیا ایل برپا" سے مراد حسب ذیل ہے۔  
 (۱) ہر رجٹ کلاسٹرو جسے ممالک متحدہ گریٹ برٹن اور آئر لینڈ میں ایجاب ملکہ خطر کی کسی نوآبادی یا  
 ملک متصرفہ واقعہ برپا امریکا یا اسٹریٹیا میں یا نوآبادیہ سے نیوزی لینڈ یا کیپ آف گوڈ ہوپ یا  
 مثال میں تو لڈ یا یا حقوق دینی حاصل کئے یا حکومت مستقل اختیار کی ہو۔

یہ الفاظ بجائے الفاظ "برطانیہ صاحبہ کارڈرنگون" کی مدد استوائی برہما کے ایکٹ (ضمیمہ دوم)  
 سنہ ۱۸۹۸ء کے ذریعہ سے قائم کئے گئے۔ ملاحظہ طلب دفعہ ۴۴ و ۴۵



اور اس میں کوئی ایسا فعل بھی داخل ہے جس کی نسبت کوئی نفاذ ایکٹ داخلیت پیدا ہو سکتی ہو۔  
۲۔ کے بموجب کیا جاسکے۔

عدہ دار متعمد پولیس اسٹیشن (د) الفاظ عدہ دار متعمد پولیس اسٹیشن یا عین جب عدہ دار متعمد پولیس اسٹیشن اسٹیشن گھر سے غیر حاضر ہو یا بجاری کے نسبت یا اور وجہ سے اپنا کام انجام دے سکتا ہو وہ عدہ دار پولیس داخل ہے جو اسٹیشن گھر میں حاضر ہو اور ویسے عدہ دار کے عین باوجود رتبہ رکھتا ہو اور جو اسٹیشن سے بڑھ کر رتبہ میں ہو یا جبکہ لوکل گورنمنٹ اس رتبہ کی ہدایت کرے ہر دوسرا عدہ دار پولیس موجود اسٹیشن داخل ہے۔

مقام (ف) لفظ مقام "مین نیر مکان" اور دواش اور عمارت اور عیدہ اور کب تری شامل ہے۔  
پٹر (ص) لفظ پلیٹریڈ سے جب وہ کسی حالت کی کسی کارروائی کے علاقہ میں مستقل ہو وہ پلیٹریڈ قرار ہے جو دیسی عدالت میں از روئے کسی قانون مجریہ وقت کے پیشہ کر لیا جاتا ہو۔ اور اس میں (۱) وہ ایڈوکیٹ اورکیل اور ڈرائی یا کورٹ کا جو اسات کا اختیار رکھتا ہو اور (۲) ہر مختار یا دوسرا شخص جو عدالت کی اجازت سے دیسی کارروائی میں عمل کر نیچے لئے مقرر کیا جاتا ہے۔ شامل ہے۔

پولیس اسٹیشن (ق) الفاظ پولیس اسٹیشن "سے ہر تھانہ یا مقام مراد ہے جسے بالعموم یا بالخصوص لوکل گورنمنٹ پولیس اسٹیشن قرار دے اور ان میں ہر وہ رقبہ مقامی داخل ہے جس کی مراد لوکل گورنمنٹ اسباب میں کرے۔

پیرکار منجانب سرکار (د) الفاظ "پیرکار منجانب سرکار" سے ہر شخص مراد ہے جو نو فروری ۱۸۸۶ء کے بموجب مقرر ہوا ہو۔ اور اس میں ہر ایسا شخص شامل ہے جو مطابق روایت پیرکار منجانب سرکار کے عمل میں کرے اور ایسا شخص جو شامل ہے جو ملکہ مندر دام آقا یا ایک طرف کسی مائیکورٹ میں وقت نفاذ اس کے اختیارات ابتدائی حین نو بجاری کے کسی استغاثہ کی پوری کرے۔

سب ڈوٹرن (ض) لفظ "سب ڈوٹرن" سے قطع کا ایک حصہ مراد ہے۔

۱۔ مقابلہ طلب اور بجاری کے ریکویشن نمبر ۱۸۸۶ء کے فیصلہ کی دفعات ۷۰ و ۷۱۔  
۲۔ ملاحظہ طلب ایکٹ متعلق اشخاص قانون پیشہ ذمہ دار عدہ دار ایکٹ متعلق اشخاص قانون پیشہ ذمہ دار  
نمبر ۱۸۸۶ء اور ایکٹ متعلق اشخاص قانون پیشہ ذمہ دار عدہ دار ایکٹ متعلق اشخاص قانون  
پیشہ ذمہ دار (نمبر ۱۸۸۶ء)۔  
۳۔ ملاحظہ طلب باوجود کی دفعہ۔



فوجداری عدالتوں کے اقسام | دفعہ ۴۰ - علاوہ عدالتہائے میگیسٹریٹ اور ان عدالتوں کے جوائنڈے اس مجبوعہ کے کسی اور قانون نافذ اوقات کے بموجب مقرر کیجائیں قلم درپیش انڈیا میں پہلے قسم کی فوجداری عدالتیں پہلی حسب مفصلہ ذیل :-

- ۱ - عدالتہائے سیشن۔
- ۲ - صاحبان مجسٹریٹ بریڈیٹنس۔
- ۳ - صاحبان مجسٹریٹ درجہ اول۔
- ۴ - صاحبان مجسٹریٹ درجہ دوم۔
- ۵ - صاحبان مجسٹریٹ درجہ سوم۔

### (ب) قسمت ہائے ارضی

سیشن کی قسمیں اور اضلاع | دفعہ ۴۱ - (۱) ہر حصہ (ب) استثنائے بلاڈ پر بریڈیٹنس کے (۲) سیشن کی قسمیں ہو گا۔ (۳) سیشن کی قسمیں پر مشتمل ہو گا۔ اور ہر قسم سیشن میں مجبوعہ کی اغراض کے لئے ایک ضلع ہوگی یا اضلاع پر مشتمل ہوگی۔

قسمیں اور ضلعوں کی | (۲) لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہے کہ ویسی قسمیں اور ضلعوں کی حدود کو تبدیل کرے یا جو حصول منظور کی جناب نواب گوندہ جرنل بہادر باجلاس کونسل کے ان کی تعداد بدل دے۔

مجبوعہ قسمیں اور ضلعوں کا | (۳) قسمت ہائے سیشن اور اضلاع جو وقت نفاذ اس مجبوعہ کے موجودہ برقرار رہا جب تک کہ تبدیلی نہ ہو | ہون مجبوز اسکے اور اس وقت تک کہ ان میں حسب مذکور تبدیلی نہ ہو۔ قسمت ہائے سیشن اور اضلاع سب رہیں گے۔

ان مقدمات میں جن میں پنجاب کے سرحدی جرائم کارپوریشن نافذ ہے مقدمات کی تجویز بذریعہ کونسل سرحدان کے چمکتی ہے۔ ملاحظہ طلب پنجاب کے سرحدی جرائم کے ریکارڈیشن ۱۸۸۴ء نمبر ۴۴۴۴ء کی دفعہ ۴۱ (۱) نیز ملاحظہ طلب ریکارڈیشن مذکور کی دفعہ ۴۱ (۲) اس سے ظاہر ہے ان احکامات کے جو کونسل سرحدان کی رائے کی بنا پر صادر ہوں ان عدالتوں میں تجویز ثانی کے مجموعہ اسماحت ہونے کے باب میں ملاحظہ طلب ریکارڈیشن مذکور کی دفعہ ۴۱ (۳)۔

حالات ہائے سیشن واقعہ ایبرہا کے باب میں ملاحظہ طلب ایبرہا کی مصلحت فوجداری کے ریکارڈیشن ۱۸۹۲ء نمبر ۱۸۹۲ء کا ضمیمہ دفعہ ۴۱۔

بلاد پر نریشن فیصلہ تصور کئے جائیں گے (۴) اس مجموعہ کی اغراض کے لئے ہر ملکہ پر نریشن ایک ضلع سمجھا جائیگا۔

**فصل ۸۔** (۱) لوکل گورنمنٹ مجاز ہے کہ کسی ضلع واقع ہیرن بلاد پر نریشن تقسیم کرنے کا اختیار۔ (۲) سب ڈویژن میں تقسیم کرے۔ یا کسی ویسے ضلع کے کسی جز کو ایک سب ڈویژن قرار دے۔ اور کسی سب ڈویژن کی حدود کو تبدیل کرے۔

موجودہ سب ڈویژن برقرار رہیں گے۔ (۳) تمام سب ڈویژن موجودہ جواب دہ کسی مجسٹریٹ کے ماتم میں رکھے جاتے ہیں ان کی نسبت یہ سمجھا جائے گا کہ اس محکمہ کے بموجب قائم کئے گئے تھے۔

(ج) عدالتین اور سرحدی و اقوام ہیرن بلاد پر نریشن  
**عدالت سشن اور** (۱) لوکل گورنمنٹ کو چاہے کہ ہر ایک نسبت سشن کیلئے ایک عدالت سشن مقرر کرے۔ اور ویسی عدالت کا ایک سبج امور کرے۔

(۲) لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہوگا کہ بذریعہ عام حکم یا خاص مندرجہ ذیل سرکاری یہ ہدایت کرے کہ کس مقام یا کن مقاموں میں عدالت سشن اجلاس کرے گی۔ مگر جب تک کہ ویسا حکم صادر نہ ہوئے عدالت ہائے سشن اپنے اجلاس بذریعہ سائن کیا کریں گی۔

(۳) نیز لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہے کہ ویسی ایک یا زیادہ عدالتوں میں اختیارات عملین لانے کے لئے ایڈیشنل سشن جج اور اسسٹنٹ سشن جج مقرر کرے۔

(۴) ایک نسبت سشن جج کا سشن جج دوسری نسبت کا ایڈیشنل سشن جج ہی اذ طرف لوکل گورنمنٹ مقرر ہو سکتا ہے اور ویسی صورت میں وہ انفصال مقررات کے لئے دو نان تستوں میں سے کسی نسبت میں ایسے مقام یا مقاموں پر اجلاس کر سکتا ہے۔ جہاں لوکل گورنمنٹ حکم کرے۔

(۵) تمام عدالت ہائے سشن جو وقت نفاذ مجموعہ ہاں موجود ہیں ایسی بھی جائیں گی کہ حسب ایکٹ تیار قائم ہوئی تھیں۔

**فصل ۹۔** (۱) ہر ایسے ضلع میں جو بلاد پر نریشن کے اس پر لوکل گورنمنٹ کو لازم ہے کہ ایک مجسٹریٹ اور جہاں لوکل گورنمنٹ کے بموجب مجسٹریٹ ضلع کھائیگا۔

(۲) لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہوگا کہ کسی مجسٹریٹ درجہ اول کو ایسی سیاد کے لئے جو چاہے جینے سے زیادہ نہ ہو ایڈیشنل مجسٹریٹ ضلع مقرر کرے۔ اور ویسے ایڈیشنل مجسٹریٹ ضلع کو کل یا کوئی

اختیار مجسٹریٹ ضلع تحت مجسٹریٹ ہذا کا حسب ہدایت لوکل گورنمنٹ حاصل رہے گا۔

مجسٹریٹ ضلع کے خالی عہدوں پر دفعہ ۱۱۔ جب کسی یہ باعث خالی ہو جائے عہدہ مجسٹریٹ ضلع عہدہ ورون کا بطور چند روزہ قائم رہنا کے کسی اور عہدہ وہ کو ضلع کے انتظام صیغہ اکریٹوٹیف کے اختیارات اعلیٰ بطور چند روزہ حاصل ہو جائیں تو وہ عہدہ وہ کو لازم ہے کہ تا حد درجہ لوکل گورنمنٹ وہ ان تمام اختیارات کو نافذ اور ان تمام خدمات کی تکمیل کرے جو اس مجسٹریٹ کی رو سے مجسٹریٹ ضلع کو بالمشابہت مفوض اور سپرد ہوئی ہیں۔

مجسٹریٹ وقت | دفعہ ۱۲۔ (۱) لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہے کہ کسی ضلع میں جو بلا درجہ پڑیسی کے باہر ہو علاوہ مجسٹریٹ ضلع کے جس قدر اشخاص کو لائق اور مناسب سمجھے عہدہ یا سب مجسٹریٹ درجہ اول یا مجسٹریٹ درجہ دوم یا مجسٹریٹ سوم مقرر کرے۔ اور لوکل گورنمنٹ یا مجسٹریٹ ضلع کو باقاعدہ حکومت لوکل گورنمنٹ کے اختیار ہو گا کہ وقتاً فوقتاً رقبہ یا سب مقامی کی تعیین کر دے جن کے اندر ویسے اشخاص ان اختیارات میں سے سب یا بعض کو نافذ کر سکتے ہیں جو اس مجسٹریٹ کے مطابق بالمشابہت ان کو عطا ہوئے ہوں۔

ان کے اختیار کی حدود مقامی (۲) مجسٹریٹ کے ویسے تعیین کی رو سے دیگر پنج پر حکم ہوا اختیار سماعت اقتدارات ویسے اشخاص کے کل ضلع مذکور سے متعلق ہوں گے۔

سب ڈویژن کا اہتمام | دفعہ ۱۳۔ (۱) لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہے کہ کسی مجسٹریٹ درجہ اول مجسٹریٹ سپر ویز کا اختیار یا درجہ دوم کو کسی سب ڈویژن کا اہتمام سپرد کرے۔ اور حسب ضرورت اسے اہتمام مذکور سے سبکدوش کرے۔

(۲) ویسے مجسٹریٹ مجسٹریٹ سب ڈویژن کھلائینگے۔

مجسٹریٹ ضلع کی اختیارات کا تفویض رہنا | (۳) لوکل گورنمنٹ مجسٹریٹ ہذا ہے کہ اپنے وہ اختیارات جو اس مفوض کی رو سے اس کو حاصل ہیں صاحب مجسٹریٹ ضلع کو تفویض کرے۔

اسپیشل مجسٹریٹ | دفعہ ۱۴۔ (۱) لوکل گورنمنٹ مجسٹریٹ ہذا ہے کہ تمام یا بعض وہ اختیارات جو حسب شرائط و مطابق مجسٹریٹ ہذا کے کسی مجسٹریٹ درجہ اول یا درجہ دوم یا درجہ سوم کو مفوض ہو چکے ہوں یا مفوض ہو سکتے ہوں نسبت مقدمات خاص یا نسبت کسی خاص قسم یا اقسام کے مقدمات کے یا عموماً نسبت مقدمات کے کسی رقبہ مقامی میں بیرون بلا درجہ پڑیسی کے کسی شخص کو



حفاظت کرے۔

(۲) وہ جسے مجسٹریٹ اسپیشل مجسٹریٹ کہلائینگ اور اتنی مدت کیلئے مقرر کئے جائینگے جسکی اوکل گورنمنٹ بذریعہ حکم عام یا خاص کے ہدایت کرے۔

(۳) اوکل گورنمنٹ مجاز ہے کہ بعد حاصل منظوری جناب ذاب گو زرنجل بہادر یا جلاس کوئٹہ اپنے تحت حکومت کے کسی عہدہ دار کو وہ اختیار ہو دفعہ نمبر (۱۱) کی رو سے عطا ہوا ہے ایسی قیود کے ساتھ منقض کرے جو اس کو مناسب معلوم ہوں۔

(۴) اس دفعہ کے بموجب کسی عہدہ دار پولیس کو اسسٹنٹ سپرنٹنڈنٹ ضلع سے کم رتبہ رکھتا ہو کہہ اختیارات تفویض ذکے جائیں گے اور کہہ اختیارات عہدہ دار پولیس کو اس طرح تفویض نہ کئے جائینگے جہاں اسکے کہ جان تک واسطے قائم رکھنے امن و امان اور جرم و سرانغ لگانے و گرفتار کرنے و نظر بند رکھنے جہان کے۔ بغرض اوکل گورنمنٹ کے احضار و روبرو مجسٹریٹ کے اور واسطے تفویض کسی اور خدمات جناب عہدہ دار ذکر کے جو اس کو بموجب کسی قانون نافذ الوقت کے سپرد ہوئی ہوں ضرورت سے

مجبور ہوں کہ سب سے دفعہ ۱۵۔ اوکل گورنمنٹ اس امر کی ہدایت کرنیکی مجاز ہے کہ کسی مقام واقعہ سیر دن یا دیگر پریزنسی پر وہ باز یا وہ مجسٹریٹ بطور بیچ یعنی جلسہ حکام کے یکجا اجلاس کریں۔ اور اسکو جانے ہے کہ وہ اپنے قیام کو وہ اختیارات تفویض کرے جو اس مجموعہ کے قانون یا اسکی رو سے مجسٹریٹ درجہ اول یا درجہ دوم یا درجہ سوم کو عطا کئے گئے یا عطا ہو سکتے ہیں اور یہ ہدایت کرے کہ بیچ ذکر ذیل سے اختیار صرف ان مقدمات میں یا اقسام مقدمات میں اور ان حدود مقامی کے اندر نافذ کرے جو اوکل گورنمنٹ کو مناسب معلوم ہوں۔

۱۵۔ بالفاظ کسی مضمون کے جو دفعہ ۱۲ میں مذکور ہے آسام کے ہر عہدہ دار پولیس کو جس کا رتبہ اسسٹنٹ ڈسٹرکٹ سپرنٹنڈنٹ کے رتبہ سے کم نہ ہو ایسے تمام بعض اختیارات بخشے جاسکتے ہیں جو مجسٹریٹ درجہ اول یا دوم یا سوم کو تعزات جو قابل دست اندازی کی بابت منقض ہو سکتے ہیں یا منقض ہو سکتے ہیں ملاحظہ طلب آسام کے عہدہ دار ولن پولیس کے ریگولیشن نمبر ۱۸۹۸ء ص ۱۸۹۸ء کی دفعہ ۱۵۔

عہدہ دار ولن پولیس کو اختیارات مجسٹریٹ کے تفویض کرنیکے اس میں۔ اپر برہمین ملاحظہ طلب اپر برہما کی عدالت نوحدہ کی کے ریگولیشن نمبر ۱۸۹۸ء ص ۱۸۹۸ء کا ضمیمہ دفعہ ۱۵۔ اور اصلاح ساوین اور ارکان میں۔ ملاحظہ طلب قوانین برہما کے ایکٹ نمبر ۱۳۔ مصدر ۱۸۹۸ء ص ۱۸۹۸ء کی دفعہ ۱۵۔

خاص ہدایت کے نہ ہونے کی صورت میں (۲۱) بجز اس صورت کے کہ کسی حکم مصدر حسب اقتضائے دفعہ وہ اختیارات جو دیگر پنج عملین سے ملے۔ نمایاں کہہ اور مضمون ہر دسے ہر پنج کو وہ اختیارات ہونگے جو اس مجموعہ کے مطابق اس اعلیٰ درجہ کے مجسٹریٹ کو تفویض ہوئے ہوں کہ جس درجہ کا پنج مذکور کے مجسرون میں سے کوئی ایسا ایک مجسرو جو بطور ایک مجسرن پنج کے حاضر ہو کارروائی میں شریک ہو اور ویسا پنج حتی الامکان اس مجموعہ کی اغراض کے لئے دسے درجہ کا مجسٹریٹ سمجھا جائیگا۔

یہوں کی ہدایت کے لئے **واقعہ ۱۶**۔ وکل گورنمنٹ یا مجسٹریٹ ضلع یا بلع حکومت وکل گورنمنٹ قواعد مرتب کرنے کا اختیار مجاز ہے کہ وقتاً فوقتاً قواعد مناسب جو اس مجموعہ کے مطابق ہوں اسے ہدایت پنج ہائے مجسٹریٹ متعینہ کسی ضلع کے امور مفصلہ ذیل کی بابت مرتب کرے۔

(الف) نسبت اقسام مقدمات تجویز طلب کے۔

(ب) نسبت اوقات اور مقامات اجلاس کے۔

(ج) نسبت تقریر پنج واسطے تجویز مقدمات کے۔

(د) نسبت طریقہ تصفیہ اختلافات مائے کے جو مابین مجسٹریٹ بروقت اجلاس

محکمہ پذیر ہوں۔

**واقعہ ۱۷**۔ (۱) جملہ صاحبان مجسٹریٹ جو دفات ۱۲ و ۱۳ و ۱۴ کی رو سے ضلع کے ماتحت ہوں۔ مقرر اور جملہ پنج جو دفات کے مطابق وضع کے جائیں مجسٹریٹ ضلع کے ماتحت ہونگے اور اسے اختیار ہوگا کہ وقتاً فوقتاً قواعد یا احکام خاص جو مجموعہ ہذا کے نقیض نہ ہوں۔ نسبت تقسیم کار مابین صاحبان مجسٹریٹ اور پنج ہائے مذکور کے مرتب یا صادر کرے۔ اور

مجسٹریٹ سب ڈائریجن کے ماتحت ہوں (۲) ہر مجسٹریٹ (۱) مجسٹریٹ سب ڈائریجن نوام اور ہر پنج جو کسی سب ڈائریجن میں اختیارات نافذ کرتا ہو مجسٹریٹ سب ڈائریجن کے ہی ماتحت ہوگا۔ مگر مجسٹریٹ ضلع اس پر حکومت عام رکھے گا۔

اسسٹنٹ سشن جج کا (۳) جملہ صاحبان اسسٹنٹ سشن جج تابع اس سشن جج کے ہوں گے سشن جج کے تابع ہوں جسکی عدالت میں وہ اختیارات عملین لاتے ہوں اور اسے اختیار ہے کہ وقتاً فوقتاً قواعد جو مجموعہ ہذا کے نقیض نہ ہوں نسبت تقسیم کار مابین صاحبان اسسٹنٹ سشن جج مذکور کے مرتب کرے۔

۱۴) صاحب سشن جج کو یہی اختیار ہوگا کہ جب وہ باعث تا کر یہ حاضر ہو یا حکام کرنے کے لائق نہ ہو تو یہ بندوبست کر دے کہ اڈیشنل یا اسسٹنٹ سشن جج یا ڈپٹی کمشنر یا اسسٹنٹ جج کے ذریعہ کیسوں میں مجسٹریٹ ضلع کسی فردی درخواست کی سماعت کر کے اس پر حکم صادر کرے اور ویسے جج یا مجسٹریٹ کو کسی ویسی درخواست کی نسبت کاربند نہ کیا اختیار ہوگا۔

۱۵) مجسٹریٹ ضلع اور مجسٹریٹ پانچ جو مطابق دفعات ۱۲ و ۱۳ و ۱۴ و ۱۵ مقرر یا مروجہ کئے جائیں کوئی ان میں سے صاحب سشن جج کے ماتحت نہ ہو گا الا اس حد تک اور اسطرح جو آئندہ بصورت ظاہر کیا گیا ہے۔

## (د) عدالت ہائے صاحبان مجسٹریٹ پریزیڈنسی

صاحبان مجسٹریٹ پریزیڈنسی کا مقررہ **دفعہ ۱۸**۔ ۱۱) کل گورنمنٹ کو لازم ہے کہ وقتاً فوقتاً اشخاص کو تعیناد کافی۔ جو آئندہ یہ لقب مجسٹریٹ پریزیڈنسی نافذ ہیں اور ایک بلکہ پریزیڈنسی کے لئے مجسٹریٹ مقرر کرے اور ان میں سے ایک شخص کو ویسے کسی بلکہ چیف مجسٹریٹ پریزیڈنسی قرار دے۔

۱۲) اختیارات مجسٹریٹ پریزیڈنسی تحت مجروح ہذا چیف مجسٹریٹ پریزیڈنسی یا مشاہرہ یا ب مجسٹریٹ پریزیڈنسی یا کوئی اور دوسرا مجسٹریٹ پریزیڈنسی جس کو کل گورنمنٹ سے تناہ اجلاس کر لیا اختیار ملا ہو یا صاحبان مجسٹریٹ پریزیڈنسی کا کوئی پنج نافذ کر سکیں گے۔

**دفعہ ۱۹**۔ جائز ہے کہ ان میں سے دو یا زیادہ اشخاص (باتبع ان قواعد کے جو یہ تجویز چیف مجسٹریٹ پریزیڈنسی اور اس کے اختیارات مفوضہ آئندہ مرتب کئے جائیں) شامل ہو کر بطور پنج کے کجا اجلاس کریں۔

**دفعہ ۲۰**۔ ہر مجسٹریٹ پریزیڈنسی اپنے اختیارات اس بلکہ پریزیڈنسی کے کل مقامات میں جسکے لئے وہ مقرر ہوا ہو اور ویسے بلکہ کی بندہ گاہ کی حدود کے اندر اور ہر ایک دریا کے قابل روائی کشتی یا جہاز کی حدود میں جو اس میں جہاز ہو مطابق صراحت حدود و بندہ جہ اس قانون کے نافذ کر لیا جو واسطے نظام بنا اور محصولات بناور کے اس وقت نافذ پذیر ہو۔

**دفعہ ۲۱**۔ (۱) چیف مجسٹریٹ پریزیڈنسی اپنے علاقہ اختیار کے لئے ملاحظہ طلب ہند کی بندہ گاہوں کا ایکٹ ۱۸۸۵ء (نمبر ۱۰) مصدر ۱۸۸۵ء ۱۶

حدود مقامی کے اندر وہ تمام اختیارات نافذ کرے گا جو اسے بموجب مجموعہ ضابطہ ہونے یا بموجب کسی قانون یا قاعدہ نافذہ عین ماقبل اس وقت کے جب یہ مجموعہ اثر پذیر ہو جائے کسی سینئر چیف مجسٹریٹ پر پریذیسی کی معرفت عمل میں آئے جائیں۔ اور اسکو اختیار ہوگا کہ وقتاً فوقتاً لوکل گورنمنٹ کی منظوری سے حاصل کر کے ایسے قواعد جو اس مجموعہ کے مطابق ہوں اس کے انتظام امور مفصل ذیل کے مرتب کرنا رہے۔

(الف) نسبت کارروائی و تقسیم کارروائیاں عمل عدالت ہائے صاحبان مجسٹریٹ بلکہ کے۔  
(ب) نسبت اوقات اور مقامات کے جہاں مجسٹریٹوں کے بیچوں کا اجلاس ہوگا۔  
(ج) نسبت وضع کرنے والے بیچوں کے۔

(د) نسبت طریقہ تصفیہ اختلاف رائے کے جو مابین صاحبان مجسٹریٹ بروقت اجلاس کے ظہور پذیر ہوں۔

(۵) نسبت کسی اور چیز کے جسکی بابت مجسٹریٹ فیصلہ اپنے ایسے عام اختیارات حکومت کی رو سے کارروائی کرے گا جو وہ اپنے ماتحت مجسٹریٹوں پر رکھتا ہے۔

(۶) لوکل گورنمنٹ کو اختیار ہے کہ اس مجموعہ کی اغراض کیلئے یہ اعلان کر دے کہ کون مجسٹریٹ پریذیسی چیف مجسٹریٹ پر پریذیسی کے ماتحت ہوں گے۔ اور لوکل گورنمنٹ موصوفہ مجاز ہے کہ انکی سر حکومت تعین کر دے۔

## (۵) جسٹس آف دی پیس

جسٹس آف دی پیس دفعہ ۲۲۔ جناب ذاب گورنر جنرل ہندوستان اجلاس کونسل کو جہاں تک بلاذریسی متعلق ہے۔ کے باہر تمام برٹش انڈیا یا اس کے کسی جزو سے تعلق ہے۔ اور ہر لوکل گورنمنٹ کو جہاں تک وابستہ رائے بلاذریسی کے لئے اپنے ممالک پر حکومت سے تعلق ہے۔ اختیار ہوگا کہ بذریعہ اشتہار مندرجہ گزٹ سرکاری کے ایسی رعایا کے برطانیہ اہل بدب کو جو جناب متشتم ایسے یا لوکل گورنمنٹ کو مناسب معلوم ہو ان ممالک کے اندر اور ان کے لئے جسٹس آف دی پیس مقرر کریں جنکی صراحت دے ایسے اشتہار میں جو۔

جسٹس آف دی پیس دفعہ ۲۳۔ لوکل گورنمنٹ کو جہاں تک بلاذریسی متعلق ہے۔ یعنی سے بلاذریسی کیلئے متعلق ہے اختیار ہوگا کہ بذریعہ اشتہار مندرجہ گزٹ سرکاری کے اس بلکہ

کی حدود کے اندر جو ایسے اشتہارین مذکور ہو کسی اشخاص ساکن برٹش انڈیا کو جو کسی ریاست غیر کی رہا یا نہ ہوں اور جن کو لوکل گورنمنٹ پر معرفت لائق مجھے عہدہ جسٹس آف دی پیس پر مقرر کرے۔

۲۲۔ دفعہ ۱۱۔ ہر ایسا شخص جو ذریعہ کمیشن مجریہ یا میگزین کے برٹش انڈیا آندی پیس۔ کے کسی جزو کے اندر اور اس کے لئے باستغناء سے بلا مذکور کے بالفصل کام

جسٹس آف دی پیس کا انجام دیتا ہو ایسا سمجھا جائیگا کہ گویا وہ دفعہ ۱۲ کے مطابق جناب ذاب گورنر جنرل بہادر باجلاس کوٹنل کے حکم سے برٹش انڈیا کی تمام قلمرو کے لئے باستغناء سے بلا مذکور بلا جسٹس آف دی پیس کا کام انجام دینے کے لئے مقرر ہوا ہے۔

۲۳۔ ہر ایسا شخص جو کسی ریاست کمیشن کے ذریعہ سے کسی بلکہ مذکور صدر کی حدود کے اندر کام جسٹس آف دی پیس کا بالفصل انجام دیتا ہو ایسا سمجھا جائیگا کہ وہ دفعہ ۱۲ کے بموجب لوکل گورنمنٹ کے حکم سے مقرر کیا گیا ہے۔

۲۴۔ جناب ذاب گورنر جنرل بہادر باجلاس ذاب گورنر ان بہادر سے جسٹس آف دی پیس اور جناب ذاب گورنمنٹ گورنر ان بہادر جناب چیف کمشنر ان بہادر اور جناب

ذاب گورنر جنرل بہادر کی کوٹنل کے معمولی میں ان اور ۱۵ یا میگزین کے صاحبان جج ۱۲ نے اپنے اپنے حدود کے اعتبار سے کل برٹش انڈیا کے لئے اور اس کے اندر جسٹس آف

دی پیس ہیں اور صاحبان سیشن جج و مجسٹریٹ ضلع اور کل قلمرو کے اندر اور اس قلمرو کے لئے جو اس لوکل گورنمنٹ کے زیر نظم ریش ہو چکے تحت وہ کار گزار ہیں جسٹس آف دی پیس ہیں

اور صاحبان مجسٹریٹ پریزیڈنسی آن بلاد کے اندر اور ان کے لئے جسٹس آف دی پیس ہیں جن میں بالقاب مجسٹریٹ کا عہدہ رکھتے ہیں۔

## (۱) معطلی اور موقوفی

۲۵۔ دفعہ ۲۴۔ جائز ہے کہ لوکل گورنمنٹ کے حکم سے تمام صاحبان جج مجسٹریٹ کی معطلی موقوفی عدالت ہائے فوجداری باستغناء عدالت ہائے میگزین جو اوزر دے

لئے مقابلہ طلب کر کار ایسٹ انڈیا کمپنی بہادر کے ایکٹ ۱۸۵۷ء کے حوالہ سے جاری رسوم۔ بلکہ کی دفعہ ۱۳ لے۔ یہ الفاظ بجا کے الفاظ یا میگزین کے صاحبان جج اور کارڈرنگون یا کے وزیر ہما کی عدالتوں کے ایکٹ

۱۸۵۷ء کے دفعہ ۲۴۔ اور ضمیمہ اول کے ذریعہ سے قائم کئے گئے تھے۔

مند شاہی کے قائم ہوئی ہوں اور جلد صاحبان مجسٹریٹ عہدے سے سطل یا موتوں کے جاؤں۔  
 مگر شرط یہ ہے کہ ایسے صاحبان جج اور مجسٹریٹ جو باضابطہ صرف جناب لڈاب گورنر جنرل ہمارے باجلاس  
 کونسل کے حکم سے عہدہ سے سطل یا موتوں ہو چکے لائق ہیں کسی اور حکم کے حکم سے عہدہ سے سطل یا موتوں نہ ہو سکیں گے۔  
 جسٹس آف دی پریس دفعہ ۲۷۔ جناب لڈاب گورنر جنرل ہمارے باجلاس کونسل مجاز ہیں کہ اپنے  
 مقررہ کے ہوئے کسی جسٹس آف دی پریس کو عہدہ سے سطل یا موتوں کریں۔  
 اور لوگ گورنمنٹ مجاز ہیں کہ اپنے مقررہ کے ہوئے کسی جسٹس آف دی پریس کو کسی عہدہ سے سطل یا موتوں کرے۔

(۳)

## عدالت کے اختیارات

(الف) تصریح اور جرم کی جو ہر عدالت و آحد کی سماعت کے لائق ہیں  
 جرم مصرعہ مجرم تو زمین تعزیرات دفعہ ۲۸۔ پابندی دیگر احکام مجرمہ بنا کے مجاز ہے کہ تجویز جرم  
 مصرعہ مجرمہ تو زمین تعزیرات ہند کی عدالت مفصلہ ذیل کی معرفت کیجائے :-

(الف) عدالت ہائیکورٹ کی معرفت :-

(ب) عدالت سیشن کی معرفت :-

(ج) کسی اسعدالت کی معرفت جو فیصلہ دوم کے خاندان ہشتم میں دیے جرم کی تجویز کی مجاز نظر آئے

مثیل

زیر جملہ اہم قتل انسان مستلزم ہذا عدالت سیشن میں سپرد ہوا۔ جائز ہے کہ اس پر صرف بالا اور  
 فرد جو بنائے گا جرم ثابت کیا جائے یعنی ایسا جرم جسکی تجویز مجسٹریٹ کر سکا۔

جرم جو کسی ایسے قانون میں مصرعہ میں دفعہ ۲۹۔ (۱۱) بہ حیثیت احکام دفعہ ۳۰ تجویز ہر جرم مصرعہ کسی  
 اور قانون کی اگر دیئے قانون میں کوئی خاص عدالت اسکی تجویز کنندہ فرد ہائی ہو اسی عدالت  
 کی معرفت ہوگی۔

(۲) اگر حسب مذکور کسی عدالت کا ذکر نہ ہو تو مجاز ہے کہ اس جرم کی تجویز ہائیکورٹ یا کسی اور عدالت  
 مقرر حسب مجرمہ فرد کی معرفت ہو جو فیصلہ دوم کے خاندان ہشتم میں دیے جرم کی تجویز کی مجاز نظر آئے

۳۰ دفعہ۔ ان ملک میں جو حکومت جناب ذاب نقشب گورنران مبادرت موت کے نہیں ہیں۔ پنجاب و برہما اور صاحبان چیف کمشنر ملک اودہ اور ملک متوسط اور گورنگ اور آسام کے ہیں اور سندھ میں اور باقی ممالک کے ادنی اطراف میں جہان جہان صاحبان ڈپٹی کمشنر اسسٹنٹ کمشنر مقرر ہوں۔ کل گورنمنٹ کو باوجود اسکے کہ دفعہ ۲۵ میں کہہ اور حکم مندرج ہوا اختیار ہے کہ مجسٹریٹ ضلع یا کسی مجسٹریٹ درجہ اول کو یہ اختیار عطا کرے کہ وہ بحیثیت مجسٹریٹ ان کل جہان کی توجیز کرے جو باقی مزارات موت کے نہیں ہیں۔

## ب) احکام مندرجہ مختلف درجوں کی عدالتوں کے صادر ہو سکے ہیں

۳۱ دفعہ۔ ۱۱ جازر ہے کہ ایگریٹ کوئی حکم مندرجہ قانوناً جائز ہو سیشن جج صادر کر سکتے ہیں صادر کرے۔

۲) سیشن جج یا ڈپٹی سیشن جج کوئی ایسا حکم مندرجہ صادر کر سکتا ہے جو قانوناً جائز ہو مگر جب وہ سیشن جج موت کا حکم صادر کرے تو وہ مطلق جمالی احکام یا مقرر ہوگا۔  
۳) اسسٹنٹ سیشن جج مجاز ہے کہ کوئی حکم مندرجہ قانوناً جائز ہو صادر کرے یا تنہا ہے حکم مندرجہ موت یا جس بھور دریا سے مندرجات برس سے زیادہ کے لئے یا قید سات برس سے زیادہ عداوتی۔

۳۲ دفعہ۔ ۱۱ صاحبان مجسٹریٹ کی عدالتوں کو اختیار ہے کہ احکام صادر کر سکتے ہیں۔ مندرجہ مفصلہ ذیل صادر کریں۔ یعنی:-

قید جود برس سے زیادہ نومبر ہندو قید منالی کے قانوناً جائز ہو  
عہدہ جکی بھار لیکن اور چہ سے زیادہ نومبر تا زیادہ

دالف م عدالت کے صاحبان مجسٹریٹ بریڈیسی اور صاحبان مجسٹریٹ درجہ اول

۱) اس اشتہار کے بذلیہ جسکے اسسٹنٹ کمشنر جی کو مجسٹریٹ ضلع جہان کل جہان کی بحیثیت مجسٹریٹ توجیز کر کے اختیار عطا کرے کہ مزارات موت نہیں ہیں۔ ملاحظہ طلب مزارات آف انڈیا مطبوعہ لاہور صفحہ ۲۰۔  
۲) ملاحظہ طلب البدر کی دفعہ ۲۷۔ ملاحظہ طلب مجرہ قوانین تعزیرات جہد ایکٹ ۲۵ صدر مملکت ۱۹۵۲ء  
۳) ابراہیم بن احکام مندرجہ قانوناً صادر کر کے نسبت صاحبان مجسٹریٹ کے اختیارات کے باب میں ملاحظہ طلب ابراہیم بن کی عدالت و جہادی کے رگولیشن ۱۹۶۲ء نمبر ۵۵ صدر مملکت ۱۹۵۲ء کا فیصلہ دفعہ ۲۷۔

(ب) عدالت کے صاحبان مجسٹریٹ و جج قید کی عطا کردہ چھ مہینے سے زیادہ نہ ہو مگر اس قدر قید

جوانہ کی مقدار دو سو روپیہ سے زیادہ نہ ہو۔

(ج) عدالت کے مجسٹریٹ و جج سوم

قید کی عطا کردہ ایک مہینہ سے زیادہ نہ ہو۔

(۲۷) ہر عدالت مجسٹریٹ کو اختیار ہے کہ ایسا حکم منرا سے قانونی صادر کرے جس میں ایسی چند منرا میں شامل

ہوں جن کی جو زکریا اس کو قانوناً اختیار ہو۔

(۳۱) کوئی عدالت مجسٹریٹ و جج دوم منرا سے تا زیادہ صادر نہیں کر سکتی ہے مجسٹریٹ کے گورنٹ سے بالخصوص اس باب میں اس کو اختیار عطا کیا جاوے۔

در صورت عدم ادا سے جرانہ کے مجسٹریٹین (۳۳) ہر مجسٹریٹ کی عدالت مجاز ہے کہ در صورت کو حکم منرا سے قید صادر کرنے کا اختیار۔

جرانہ کی صورت میں جاری ہو۔

بشرطیکہ

(الف) وہ عطا کردہ اس اختیار سے باوجود جو اس کو عطا ہوا ہے۔

شرط متعلق بعض صورتوں کے (ب) کسی مقدمہ منقطع صاحب مجسٹریٹ میں جس میں حکم قید اصل حکم منرا کا ایک جزو ہو لازم ہے کہ وہ عطا ہو بلکہ صور عدم ادا سے جرانہ تو زیر تکیا ہے اس عرصہ قید کے چارم سے زیادہ نہ ہو و ایسا مجسٹریٹ اس جرم کے عوض عاید کر سکتا ہے بجز اسکے کہ وہ قید در صورت عدم ادا سے جرانہ عاید کیا جائے۔

(۲) جو قید اس دفعہ کے بموجب جو زکریا سے عطا ہو اس حکم منرا سے قید بابت اس سے بڑی عطا کر کے جو مجسٹریٹ صاحب دفعہ صادر کر سکتا ہے۔

بعض صاحبان مجسٹریٹ ضلع (۳۴) ایسے مجسٹریٹ کی عدالت کو جس کو دفعہ کی رو سے اختیار کے اختراعات اٹھا۔

خاص دیگیا ہو ایسے حکم منرا کے صادر کرنے کا اختیار ہو گا جو قانوناً جائز ہو۔ بجز حکم منرا سے موت یا قید لیور دیاتے شروع کے جبکی عطا سات برس سے ۱۵ کا عطا ہوٹ نوٹ نہ ہو مگر گذشتہ ۱۵ الفاظ۔ منرا سے تا زیادہ اگر خاص کر اختیار دیگیا ہو۔ روئے غیر ایک غیر مستند و مشرق کے گئے۔ ۵۳



زیادہ ہو یا حکم منرائے فی کے جسکی سیادست برس سے زیادہ ہو۔

حکم منرائان صورتوں میں کہ جب ایک ہی دفعہ ۳۵۔ (۱) جب کسی شخص پر ایک ہی تجویز میں دو یا زیادہ تجویز میں چند جرایم ثابت کئے جائیں۔ (۲) اگر گناہ جرایم ثابت کئے جائیں تو عدالت مجاز ہے کہ ویسے

جرمون کی علت میں وہ متعدد منرائین مجرم کیلئے تجویز کرے جو جرایم ذکر کے لئے مقرر ہیں اور جس قدر ویسے عدالت کو عاید کیا اختیار ہے۔ اور چاہئے کہ ویسی منرائین جب خدا یا جس بچہ در دیئے شور کی قسم سے ہوں بکے بعد دیگر سے اس ترتیب سے شروع کیا جائیں جس کی حد پر ایت کرے الا جبکہ عدالت یہ ہدایت کرے کہ ویسی منرائین ساتھ ساتھ ہوں۔

(۲) تسلسل احکام منرائی صورت میں عدالت کو محض اس وجہ سے کہ ان جرایم متعدد کی منرائے مجموعی اس متعدد منرائے سے زیادہ ہے جس کے عاید کرنیکی عدالت موقوفہ بحالت ثبوت جسم ۱۰ حد مجاز ہے ضرور نہ ہو گا کہ جسم کو عدالت بالاتر کے حضور میں تجویز مقدمہ کے لئے پہنچے۔

مگر شرط یہ ہے کہ:-

منرائی سیاد ثابت (الف) کسی صورت میں ویسے شخص کی نسبت چودہ برس سے زیادہ سیاد کے لئے قید کا حکم صادر کرنا جائز نہ ہو گا۔

(ب) اگر مقدمہ کی تجویز اس مجسٹریٹ کے سوائے جو دفعہ ۳۴ کے بموجب عمل کرتا ہو کسی اور مجسٹریٹ کی طرف ہو تو مجموعی منرائے اس منرائی دو چاند مقدار سے زیادہ نہ ملنی جو مجسٹریٹ اپنے معمولی اختیار کی رو سے عاید کر سکتا ہے۔

(۳) اہل کفر فی کیلئے احکام منرائے مجموعی جو اس دفعہ کے بموجب اس مقدمہ میں صادر ہوں جس میں متعدد جرایم ایک ہی تجویز میں ثابت کئے جائیں۔ جنرل حکم منرائے واحد متصور ہوں گے۔  
تشریح:- وہ ملحد کے چاہئے قابل جرایم جو مجموعہ قوانین تعزیرات ہند کی دفعہ ۱۰ کے احکام کے اندر آئیں حسب نفاذ دفعہ ۱۰ جہاں گناہ جرایم نہیں ہیں +

تمثیل

دیئے سمرقہ کے ارتکاب کی نیت سے نقب زنی کی اور دین آسنے مال چرایا تجویز جرایم جہاں  
کا قریب نہیں ہوا +

## دج ۱ اختیارات معمولی خرید

محشر ٹون کے اختیارات معمولی | دفعہ ۳۷ تمام محشر ٹ فیلڈ اور محشر ٹ سب ڈو ٹرن اور محشر ٹ درجہ اول و درجہ دوم و درجہ سوم کو وہ اختیارات حاصل ہیں جو بعد اذین ان کو بالکتاب عطا ہوئے ہیں اور جس کی صراحت فیصد سوم بن مندرج ہے اور یہ اختیارات "معمولی اختیارات" کہلاتے ہیں۔

اختیارات خرید جو صاحبان محشر ٹ | دفعہ ۳۸ مجاز ہے کہ کسی محشر ٹ سب ڈو ٹرن یا محشر ٹ درجہ اول یا درجہ دوم یا درجہ سوم کو مکمل گورنمنٹ یا کسی محشر ٹ فیلڈ کی طرف سے رجسٹرڈ ہو۔ علاوہ اس کے معمولی اختیارات کے لیے اختیارات عطا کئے جائیں جو فیصد چارم میں وہ اختیارات قرار دیئے گئے ہیں جو مکمل گورنمنٹ یا محشر ٹ فیلڈ کی طرف سے اسکو حاصل ہو سکتے ہیں۔

محشر ٹ فیلڈ کے عطا اختیارات | دفعہ ۳۹ اختیار جو محشر ٹ فیلڈ کو از روئے دفعہ ۳۷ عطا ہوا ہے۔ تاریخ حکومت ہونا۔ | تاریخ حکومت وکل گورنمنٹ عمل میں لایا جائے گا۔

## دوم بابت عطا و بحالی منسوخ اختیارات کے

اختیارات کے بننے | دفعہ ۳۹ دوجب مکمل گورنمنٹ اس مجموعہ کے مطابق اختیارات عطا کرے تو اس کو اختیار ہے کہ از روئے حکم اشخاص کو یہ تخصیص ان کے اسما کے یا اعتبار ان کے یا اقسام عمدہ دامن کو یا عموم ان کے عمدہ کے نسب سے اختیارات بنائے۔

(۲) اگر دیکھا حکم اس تبلیغ سے نافذ ہو گا جس تاریخ کو حکم مذکور اس شخص کے پاس پہنچایا جائے ہے اس شخص کا اختیار عطا ہوا ہو۔

ان عمدہ داروں کے اختیارات بحال رہنا چکی تبدیلی ہوئی ہو | دفعہ ۴۰ جب کوئی عمدہ دار لازم گورنمنٹ سے اپرہا میں صاحبان محشر ٹ کے اختیارات کی نسبت ملاحظہ طلب اپرہا کی سماعت و تہداری کے لیے یقین شدہ ۱۸۹۳ء | دفعہ ۴۱ ملاحظہ طلب وٹ مذکور منفر ہوا۔

جبکہ اس مجموعہ کے مطابق کسی رقبہ مقامی کے اندر اختیارات بخشے گئے ہوں اسی مقدار کے کسی اور رقبہ مقامی کے اندر اسی لوکل گورنمنٹ کے تحت میں اسی قسم کے کسی اور عہدہ پر جو عہدہ اول الذکر کے برابر یا اس سے بالاتر ہو منتقل کیا جائے تو اگر لوکل گورنمنٹ نے اس کے خلاف ہدایت دلی ہو یا اس کے خلاف ہدایت نہ کرے شخص مذکور مستحق ہوگا کہ اس رقبہ مقامی میں جس میں وہ منتقل ہوا ہو وہی اختیارات نافذ کرتا رہے۔

اختیارات کا سرخ ہونا دفعہ ۴۱۔ (۱) لوکل گورنمنٹ مجاز ہے کہ ان جمیع اختیارات کو یا ان میں سے کسی اختیار کو نکال دے جو اسے یا اس کے کسی عہدہ دار تحت نے اس مجموعہ کے مطابق کسی شخص کو عطا کئے ہوں۔

(۲) کوئی اختیارات جو مجسٹریٹ ضلع عطا کرے مجسٹریٹ ضلع نکال لے سکتا ہے۔

### حصہ (۳)

#### احکام عام

## ۱۴

صاحبان مجسٹریٹ پولیس اور ان اشخاص کو جو گرفتاری کریں  
مدد کرنے اور اطلاع پہنچانے کی بابت

دفعہ ۴۲۔ ہر شخص کو لازم ہے کہ بلا دیرینہ تاخیر کسی کے اندر یا ان مجسٹریٹ اور پولیس کو مدد سے۔ کے باہر جب کسی مجسٹریٹ یا عہدہ دار پولیس اس سے بلاخراسا مدد طلب کرے تو انہیں مفصل ذیل میں مدد سے۔

(۲) لفٹ گرفتار کرنے یا قید ہوتے سے روکنے میں کسی اور شخص کے جس کو دیرینہ تاخیر یا عہدہ دار پولیس گرفتار کر لیا جائے۔



محبطریٹ یا قریب تر پولیس اسٹیشن کے عمدہ دارمتم کو لے کر جو زیادہ قریب ہو ہر خبر و امر مفصلہ ذیل کی بابت اسکو معلوم ہو فوراً پوچھ جائے۔

(الف) کسی ایسے گالون میں جس کا وہ کیا یا پٹواری یا چوکیدار یا عمدہ دار پولیس ہو یا جان وہ اراغی کا مالک یا ذیل ہو یا کارندہ ہو یا مالگنداری یا لگان تحصیل کرتا ہو جو شخص مال سرود کا مشہور ہے والا یا اس کا فروخت کرے والا ہو اسکی ملکوت مستقل یا چند روزہ کی بابت +

(ب) جس شخص کی نسبت اسکو معلوم یا اشتباہ متعل ہو کہ وہ ٹانگ یا سرود یا غیر کرنیوالا یا قیدی فراری یا مجرم اشتہاری ہے ویسے گالون کے اندر کسی مقام پر اسکی آمد کی بابت یا گالون مذکور میں ہو کر کسی راستہ سے اسکے گذرنے کی بابت۔

(ج) جو جرم قابل ضمانت نہیں ہے یا جو جرم مجرمانہ قوانین تعزیرات ہند کی دفعہ ۴۳ یا ۴۴ یا ۴۵ یا ۴۶ یا ۴۷ یا ۴۸ یا ۴۹ کی رو سے سزا کے لائق ہے۔ ویسے گالون میں یا اسکے قریب اسکے ارتکاب یا ارادہ ارتکاب کی بابت۔

(د) ویسے گالون میں یا اسکے قریب کسی موت اتفاقی یا غیر طبعی کے وقوعہ ہونے کی بابت یا بابت کسی موت کے جو بحالات مشتبہ وقوع میں آئی ہو۔

(۴) ویسے گالون کے قریب کسی مقام خارج برٹش انڈیا میں کسی فعل کے ارتکاب یا ارادہ ارتکاب کی بابت جس کا ارتکاب برٹش انڈیا کے اندر ہو چکی ہو موت میں وہ مجرمانہ قوانین تعزیرات ہند کی دفعات مرقوم الذیل یعنی دفعات ۳۰۲، ۳۰۳، ۳۰۴، ۳۰۵، ۳۰۶، ۳۰۷، ۳۰۸، ۳۰۹، ۳۱۰، ۳۱۱، ۳۱۲، ۳۱۳، ۳۱۴، ۳۱۵، ۳۱۶، ۳۱۷، ۳۱۸، ۳۱۹، ۳۲۰، ۳۲۱، ۳۲۲، ۳۲۳، ۳۲۴، ۳۲۵، ۳۲۶، ۳۲۷، ۳۲۸، ۳۲۹، ۳۳۰، ۳۳۱، ۳۳۲، ۳۳۳، ۳۳۴، ۳۳۵، ۳۳۶، ۳۳۷، ۳۳۸، ۳۳۹، ۳۴۰، ۳۴۱، ۳۴۲، ۳۴۳، ۳۴۴، ۳۴۵، ۳۴۶، ۳۴۷، ۳۴۸، ۳۴۹، ۳۵۰، ۳۵۱، ۳۵۲، ۳۵۳، ۳۵۴، ۳۵۵، ۳۵۶، ۳۵۷، ۳۵۸، ۳۵۹، ۳۶۰، ۳۶۱، ۳۶۲، ۳۶۳، ۳۶۴، ۳۶۵، ۳۶۶، ۳۶۷، ۳۶۸، ۳۶۹، ۳۷۰، ۳۷۱، ۳۷۲، ۳۷۳، ۳۷۴، ۳۷۵، ۳۷۶، ۳۷۷، ۳۷۸، ۳۷۹، ۳۸۰، ۳۸۱، ۳۸۲، ۳۸۳، ۳۸۴، ۳۸۵، ۳۸۶، ۳۸۷، ۳۸۸، ۳۸۹، ۳۹۰، ۳۹۱، ۳۹۲، ۳۹۳، ۳۹۴، ۳۹۵، ۳۹۶، ۳۹۷، ۳۹۸، ۳۹۹، ۴۰۰، ۴۰۱، ۴۰۲، ۴۰۳، ۴۰۴، ۴۰۵، ۴۰۶، ۴۰۷، ۴۰۸، ۴۰۹، ۴۱۰، ۴۱۱، ۴۱۲، ۴۱۳، ۴۱۴، ۴۱۵، ۴۱۶، ۴۱۷، ۴۱۸، ۴۱۹، ۴۲۰، ۴۲۱، ۴۲۲، ۴۲۳، ۴۲۴، ۴۲۵، ۴۲۶، ۴۲۷، ۴۲۸، ۴۲۹، ۴۳۰، ۴۳۱، ۴۳۲، ۴۳۳، ۴۳۴، ۴۳۵، ۴۳۶، ۴۳۷، ۴۳۸، ۴۳۹، ۴۴۰، ۴۴۱، ۴۴۲، ۴۴۳، ۴۴۴، ۴۴۵، ۴۴۶، ۴۴۷، ۴۴۸، ۴۴۹، ۴۵۰، ۴۵۱، ۴۵۲، ۴۵۳، ۴۵۴، ۴۵۵، ۴۵۶، ۴۵۷، ۴۵۸، ۴۵۹، ۴۶۰، ۴۶۱، ۴۶۲، ۴۶۳، ۴۶۴، ۴۶۵، ۴۶۶، ۴۶۷، ۴۶۸، ۴۶۹، ۴۷۰، ۴۷۱، ۴۷۲، ۴۷۳، ۴۷۴، ۴۷۵، ۴۷۶، ۴۷۷، ۴۷۸، ۴۷۹، ۴۸۰، ۴۸۱، ۴۸۲، ۴۸۳، ۴۸۴، ۴۸۵، ۴۸۶، ۴۸۷، ۴۸۸، ۴۸۹، ۴۹۰، ۴۹۱، ۴۹۲، ۴۹۳، ۴۹۴، ۴۹۵، ۴۹۶، ۴۹۷، ۴۹۸، ۴۹۹، ۵۰۰، ۵۰۱، ۵۰۲، ۵۰۳، ۵۰۴، ۵۰۵، ۵۰۶، ۵۰۷، ۵۰۸، ۵۰۹، ۵۱۰، ۵۱۱، ۵۱۲، ۵۱۳، ۵۱۴، ۵۱۵، ۵۱۶، ۵۱۷، ۵۱۸، ۵۱۹، ۵۲۰، ۵۲۱، ۵۲۲، ۵۲۳، ۵۲۴، ۵۲۵، ۵۲۶، ۵۲۷، ۵۲۸، ۵۲۹، ۵۳۰، ۵۳۱، ۵۳۲، ۵۳۳، ۵۳۴، ۵۳۵، ۵۳۶، ۵۳۷، ۵۳۸، ۵۳۹، ۵۴۰، ۵۴۱، ۵۴۲، ۵۴۳، ۵۴۴، ۵۴۵، ۵۴۶، ۵۴۷، ۵۴۸، ۵۴۹، ۵۵۰، ۵۵۱، ۵۵۲، ۵۵۳، ۵۵۴، ۵۵۵، ۵۵۶، ۵۵۷، ۵۵۸، ۵۵۹، ۵۶۰، ۵۶۱، ۵۶۲، ۵۶۳، ۵۶۴، ۵۶۵، ۵۶۶، ۵۶۷، ۵۶۸، ۵۶۹، ۵۷۰، ۵۷۱، ۵۷۲، ۵۷۳، ۵۷۴، ۵۷۵، ۵۷۶، ۵۷۷، ۵۷۸، ۵۷۹، ۵۸۰، ۵۸۱، ۵۸۲، ۵۸۳، ۵۸۴، ۵۸۵، ۵۸۶، ۵۸۷، ۵۸۸، ۵۸۹، ۵۹۰، ۵۹۱، ۵۹۲، ۵۹۳، ۵۹۴، ۵۹۵، ۵۹۶، ۵۹۷، ۵۹۸، ۵۹۹، ۶۰۰، ۶۰۱، ۶۰۲، ۶۰۳، ۶۰۴، ۶۰۵، ۶۰۶، ۶۰۷، ۶۰۸، ۶۰۹، ۶۱۰، ۶۱۱، ۶۱۲، ۶۱۳، ۶۱۴، ۶۱۵، ۶۱۶، ۶۱۷، ۶۱۸، ۶۱۹، ۶۲۰، ۶۲۱، ۶۲۲، ۶۲۳، ۶۲۴، ۶۲۵، ۶۲۶، ۶۲۷، ۶۲۸، ۶۲۹، ۶۳۰، ۶۳۱، ۶۳۲، ۶۳۳، ۶۳۴، ۶۳۵، ۶۳۶، ۶۳۷، ۶۳۸، ۶۳۹، ۶۴۰، ۶۴۱، ۶۴۲، ۶۴۳، ۶۴۴، ۶۴۵، ۶۴۶، ۶۴۷، ۶۴۸، ۶۴۹، ۶۵۰، ۶۵۱، ۶۵۲، ۶۵۳، ۶۵۴، ۶۵۵، ۶۵۶، ۶۵۷، ۶۵۸، ۶۵۹، ۶۶۰، ۶۶۱، ۶۶۲، ۶۶۳، ۶۶۴، ۶۶۵، ۶۶۶، ۶۶۷، ۶۶۸، ۶۶۹، ۶۷۰، ۶۷۱، ۶۷۲، ۶۷۳، ۶۷۴، ۶۷۵، ۶۷۶، ۶۷۷، ۶۷۸، ۶۷۹، ۶۸۰، ۶۸۱، ۶۸۲، ۶۸۳، ۶۸۴، ۶۸۵، ۶۸۶، ۶۸۷، ۶۸۸، ۶۸۹، ۶۹۰، ۶۹۱، ۶۹۲، ۶۹۳، ۶۹۴، ۶۹۵، ۶۹۶، ۶۹۷، ۶۹۸، ۶۹۹، ۷۰۰، ۷۰۱، ۷۰۲، ۷۰۳، ۷۰۴، ۷۰۵، ۷۰۶، ۷۰۷، ۷۰۸، ۷۰۹، ۷۱۰، ۷۱۱، ۷۱۲، ۷۱۳، ۷۱۴، ۷۱۵، ۷۱۶، ۷۱۷، ۷۱۸، ۷۱۹، ۷۲۰، ۷۲۱، ۷۲۲، ۷۲۳، ۷۲۴، ۷۲۵، ۷۲۶، ۷۲۷، ۷۲۸، ۷۲۹، ۷۳۰، ۷۳۱، ۷۳۲، ۷۳۳، ۷۳۴، ۷۳۵، ۷۳۶، ۷۳۷، ۷۳۸، ۷۳۹، ۷۴۰، ۷۴۱، ۷۴۲، ۷۴۳، ۷۴۴، ۷۴۵، ۷۴۶، ۷۴۷، ۷۴۸، ۷۴۹، ۷۵۰، ۷۵۱، ۷۵۲، ۷۵۳، ۷۵۴، ۷۵۵، ۷۵۶، ۷۵۷، ۷۵۸، ۷۵۹، ۷۶۰، ۷۶۱، ۷۶۲، ۷۶۳، ۷۶۴، ۷۶۵، ۷۶۶، ۷۶۷، ۷۶۸، ۷۶۹، ۷۷۰، ۷۷۱، ۷۷۲، ۷۷۳، ۷۷۴، ۷۷۵، ۷۷۶، ۷۷۷، ۷۷۸، ۷۷۹، ۷۸۰، ۷۸۱، ۷۸۲، ۷۸۳، ۷۸۴، ۷۸۵، ۷۸۶، ۷۸۷، ۷۸۸، ۷۸۹، ۷۹۰، ۷۹۱، ۷۹۲، ۷۹۳، ۷۹۴، ۷۹۵، ۷۹۶، ۷۹۷، ۷۹۸، ۷۹۹، ۸۰۰، ۸۰۱، ۸۰۲، ۸۰۳، ۸۰۴، ۸۰۵، ۸۰۶، ۸۰۷، ۸۰۸، ۸۰۹، ۸۱۰، ۸۱۱، ۸۱۲، ۸۱۳، ۸۱۴، ۸۱۵، ۸۱۶، ۸۱۷، ۸۱۸، ۸۱۹، ۸۲۰، ۸۲۱، ۸۲۲، ۸۲۳، ۸۲۴، ۸۲۵، ۸۲۶، ۸۲۷، ۸۲۸، ۸۲۹، ۸۳۰، ۸۳۱، ۸۳۲، ۸۳۳، ۸۳۴، ۸۳۵، ۸۳۶، ۸۳۷، ۸۳۸، ۸۳۹، ۸۴۰، ۸۴۱، ۸۴۲، ۸۴۳، ۸۴۴، ۸۴۵، ۸۴۶، ۸۴۷، ۸۴۸، ۸۴۹، ۸۵۰، ۸۵۱، ۸۵۲، ۸۵۳، ۸۵۴، ۸۵۵، ۸۵۶، ۸۵۷، ۸۵۸، ۸۵۹، ۸۶۰، ۸۶۱، ۸۶۲، ۸۶۳، ۸۶۴، ۸۶۵، ۸۶۶، ۸۶۷، ۸۶۸، ۸۶۹، ۸۷۰، ۸۷۱، ۸۷۲، ۸۷۳، ۸۷۴، ۸۷۵، ۸۷۶، ۸۷۷، ۸۷۸، ۸۷۹، ۸۸۰، ۸۸۱، ۸۸۲، ۸۸۳، ۸۸۴، ۸۸۵، ۸۸۶، ۸۸۷، ۸۸۸، ۸۸۹، ۸۹۰، ۸۹۱، ۸۹۲، ۸۹۳، ۸۹۴، ۸۹۵، ۸۹۶، ۸۹۷، ۸۹۸، ۸۹۹، ۹۰۰، ۹۰۱، ۹۰۲، ۹۰۳، ۹۰۴، ۹۰۵، ۹۰۶، ۹۰۷، ۹۰۸، ۹۰۹، ۹۱۰، ۹۱۱، ۹۱۲، ۹۱۳، ۹۱۴، ۹۱۵، ۹۱۶، ۹۱۷، ۹۱۸، ۹۱۹، ۹۲۰، ۹۲۱، ۹۲۲، ۹۲۳، ۹۲۴، ۹۲۵، ۹۲۶، ۹۲۷، ۹۲۸، ۹۲۹، ۹۳۰، ۹۳۱، ۹۳۲، ۹۳۳، ۹۳۴، ۹۳۵، ۹۳۶، ۹۳۷، ۹۳۸، ۹۳۹، ۹۴۰، ۹۴۱، ۹۴۲، ۹۴۳، ۹۴۴، ۹۴۵، ۹۴۶، ۹۴۷، ۹۴۸، ۹۴۹، ۹۵۰، ۹۵۱، ۹۵۲، ۹۵۳، ۹۵۴، ۹۵۵، ۹۵۶، ۹۵۷، ۹۵۸، ۹۵۹، ۹۶۰، ۹۶۱، ۹۶۲، ۹۶۳، ۹۶۴، ۹۶۵، ۹۶۶، ۹۶۷، ۹۶۸، ۹۶۹، ۹۷۰، ۹۷۱، ۹۷۲، ۹۷۳، ۹۷۴، ۹۷۵، ۹۷۶، ۹۷۷، ۹۷۸، ۹۷۹، ۹۸۰، ۹۸۱، ۹۸۲، ۹۸۳، ۹۸۴، ۹۸۵، ۹۸۶، ۹۸۷، ۹۸۸، ۹۸۹، ۹۹۰، ۹۹۱، ۹۹۲، ۹۹۳، ۹۹۴، ۹۹۵، ۹۹۶، ۹۹۷، ۹۹۸، ۹۹۹، ۱۰۰۰، ۱۰۰۱، ۱۰۰۲، ۱۰۰۳، ۱۰۰۴، ۱۰۰۵، ۱۰۰۶، ۱۰۰۷، ۱۰۰۸، ۱۰۰۹، ۱۰۱۰، ۱۰۱۱، ۱۰۱۲، ۱۰۱۳، ۱۰۱۴، ۱۰۱۵، ۱۰۱۶، ۱۰۱۷، ۱۰۱۸، ۱۰۱۹، ۱۰۲۰، ۱۰۲۱، ۱۰۲۲، ۱۰۲۳، ۱۰۲۴، ۱۰۲۵، ۱۰۲۶، ۱۰۲۷، ۱۰۲۸، ۱۰۲۹، ۱۰۳۰، ۱۰۳۱، ۱۰۳۲، ۱۰۳۳، ۱۰۳۴، ۱۰۳۵، ۱۰۳۶، ۱۰۳۷، ۱۰۳۸، ۱۰۳۹، ۱۰۴۰، ۱۰۴۱، ۱۰۴۲، ۱۰۴۳، ۱۰۴۴، ۱۰۴۵، ۱۰۴۶، ۱۰۴۷، ۱۰۴۸، ۱۰۴۹، ۱۰۵۰، ۱۰۵۱، ۱۰۵۲، ۱۰۵۳، ۱۰۵۴، ۱۰۵۵، ۱۰۵۶، ۱۰۵۷، ۱۰۵۸، ۱۰۵۹، ۱۰۶۰، ۱۰۶۱، ۱۰۶۲، ۱۰۶۳، ۱۰۶۴، ۱۰۶۵، ۱۰۶۶، ۱۰۶۷، ۱۰۶۸، ۱۰۶۹، ۱۰۷۰، ۱۰۷۱، ۱۰۷۲، ۱۰۷۳، ۱۰۷۴، ۱۰۷۵، ۱۰۷۶، ۱۰۷۷، ۱۰۷۸، ۱۰۷۹، ۱۰۸۰، ۱۰۸۱، ۱۰۸۲، ۱۰۸۳، ۱۰۸۴، ۱۰۸۵، ۱۰۸۶، ۱۰۸۷، ۱۰۸۸، ۱۰۸۹، ۱۰۹۰، ۱۰۹۱، ۱۰۹۲، ۱۰۹۳، ۱۰۹۴، ۱۰۹۵، ۱۰۹۶، ۱۰۹۷، ۱۰۹۸، ۱۰۹۹، ۱۱۰۰، ۱۱۰۱، ۱۱۰۲، ۱۱۰۳، ۱۱۰۴، ۱۱۰۵، ۱۱۰۶، ۱۱۰۷، ۱۱۰۸، ۱۱۰۹، ۱۱۱۰، ۱۱۱۱، ۱۱۱۲، ۱۱۱۳، ۱۱۱۴، ۱۱۱۵، ۱۱۱۶، ۱۱۱۷، ۱۱۱۸، ۱۱۱۹، ۱۱۲۰، ۱۱۲۱، ۱۱۲۲، ۱۱۲۳، ۱۱۲۴، ۱۱۲۵، ۱۱۲۶، ۱۱۲۷، ۱۱۲۸، ۱۱۲۹، ۱۱۳۰، ۱۱۳۱، ۱۱۳۲، ۱۱۳۳، ۱۱۳۴، ۱۱۳۵، ۱۱۳۶، ۱۱۳۷، ۱۱۳۸، ۱۱۳۹، ۱۱۴۰، ۱۱۴۱، ۱۱۴۲، ۱۱۴۳، ۱۱۴۴، ۱۱۴۵، ۱۱۴۶، ۱۱۴۷، ۱۱۴۸، ۱۱۴۹، ۱۱۵۰، ۱۱۵۱، ۱۱۵۲، ۱۱۵۳، ۱۱۵۴، ۱۱۵۵، ۱۱۵۶، ۱۱۵۷، ۱۱۵۸، ۱۱۵۹، ۱۱۶۰، ۱۱۶۱، ۱۱۶۲، ۱۱۶۳، ۱۱۶۴، ۱۱۶۵، ۱۱۶۶، ۱۱۶۷، ۱۱۶۸، ۱۱۶۹، ۱۱۷۰، ۱۱۷۱، ۱۱۷۲، ۱۱۷۳، ۱۱۷۴، ۱۱۷۵، ۱۱۷۶، ۱۱۷۷، ۱۱۷۸، ۱۱۷۹، ۱۱۸۰، ۱۱۸۱، ۱۱۸۲، ۱۱۸۳، ۱۱۸۴، ۱۱۸۵، ۱۱۸۶، ۱۱۸۷، ۱۱۸۸، ۱۱۸۹، ۱۱۹۰، ۱۱۹۱، ۱۱۹۲، ۱۱۹۳، ۱۱۹۴، ۱۱۹۵، ۱۱۹۶، ۱۱۹۷، ۱۱۹۸، ۱۱۹۹، ۱۲۰۰، ۱۲۰۱، ۱۲۰۲، ۱۲۰۳، ۱۲۰۴، ۱۲۰۵، ۱۲۰۶، ۱۲۰۷، ۱۲۰۸، ۱۲۰۹، ۱۲۱۰، ۱۲۱۱، ۱۲۱۲، ۱۲۱۳، ۱۲۱۴، ۱۲۱۵، ۱۲۱۶، ۱۲۱۷، ۱۲۱۸، ۱۲۱۹، ۱۲۲۰، ۱۲۲۱، ۱۲۲۲، ۱۲۲۳، ۱۲۲۴، ۱۲۲۵، ۱۲۲۶، ۱۲۲۷، ۱۲۲۸، ۱۲۲۹، ۱۲۳۰، ۱۲۳۱، ۱۲۳۲، ۱۲۳۳، ۱۲۳۴، ۱۲۳۵، ۱۲۳۶، ۱۲۳۷، ۱۲۳۸، ۱۲۳۹، ۱۲۴۰، ۱۲۴۱، ۱۲۴۲، ۱۲۴۳، ۱۲۴۴، ۱۲۴۵، ۱۲۴۶، ۱۲۴۷، ۱۲۴۸، ۱۲۴۹، ۱۲۵۰، ۱۲۵۱، ۱۲۵۲، ۱۲۵۳، ۱۲۵۴، ۱۲۵۵، ۱۲۵۶، ۱۲۵۷، ۱۲۵۸، ۱۲۵۹، ۱۲۶۰، ۱۲۶۱، ۱۲۶۲، ۱۲۶۳، ۱۲۶۴، ۱۲۶۵، ۱۲۶۶، ۱۲۶۷، ۱۲۶۸، ۱۲۶۹، ۱۲۷۰، ۱۲۷۱، ۱۲۷۲، ۱۲۷۳، ۱۲۷۴، ۱۲۷۵، ۱۲۷۶، ۱۲۷۷، ۱۲۷۸، ۱۲۷۹، ۱۲۸۰، ۱۲۸۱، ۱۲۸۲، ۱۲۸۳، ۱۲۸۴، ۱۲۸۵، ۱۲۸۶، ۱۲۸۷، ۱۲۸۸، ۱۲۸۹، ۱۲۹۰، ۱۲۹۱، ۱۲۹۲، ۱۲۹۳، ۱۲۹۴، ۱۲۹۵، ۱۲۹۶، ۱۲۹۷، ۱۲۹۸، ۱۲۹۹، ۱۳۰۰، ۱۳۰۱، ۱۳۰۲، ۱۳۰۳، ۱۳۰۴، ۱۳۰۵، ۱۳۰۶، ۱۳۰۷، ۱۳۰۸، ۱۳۰۹، ۱۳۱۰، ۱۳۱۱، ۱۳۱۲، ۱۳۱۳، ۱۳۱۴، ۱۳۱۵، ۱۳۱۶، ۱۳۱۷، ۱۳۱۸، ۱۳۱۹، ۱۳۲۰، ۱۳۲۱، ۱۳۲۲، ۱۳۲۳، ۱۳۲۴، ۱۳۲۵، ۱۳۲۶، ۱۳۲۷، ۱۳۲۸، ۱۳۲۹، ۱۳۳۰، ۱۳۳۱، ۱۳۳۲، ۱۳۳۳، ۱۳۳۴، ۱۳۳۵، ۱۳۳۶، ۱۳۳۷، ۱۳۳۸، ۱۳۳۹، ۱۳۴۰، ۱۳۴۱، ۱۳۴۲، ۱۳۴۳، ۱۳۴۴، ۱۳۴۵، ۱۳۴۶، ۱۳۴۷، ۱۳۴۸، ۱۳۴۹، ۱۳۵۰، ۱۳۵۱، ۱۳۵۲، ۱۳۵۳، ۱۳۵۴، ۱۳۵۵، ۱۳۵۶، ۱۳۵۷، ۱۳۵۸، ۱۳۵۹، ۱۳۶۰، ۱۳۶۱، ۱۳۶۲، ۱۳۶۳، ۱۳۶۴، ۱۳۶۵، ۱۳۶۶، ۱۳۶۷، ۱۳۶۸، ۱۳۶۹، ۱۳۷۰، ۱۳۷۱، ۱۳۷۲، ۱۳۷۳، ۱۳۷۴، ۱۳۷۵، ۱۳۷۶، ۱۳۷۷، ۱۳۷۸، ۱۳۷۹، ۱۳۸۰، ۱۳۸۱، ۱۳۸۲، ۱۳۸۳، ۱۳۸۴، ۱۳۸۵، ۱۳۸۶، ۱۳۸۷، ۱۳۸۸، ۱۳۸۹، ۱۳۹۰، ۱۳۹۱، ۱۳۹۲، ۱۳۹۳، ۱۳۹۴، ۱۳۹۵، ۱۳۹۶، ۱۳۹۷، ۱۳۹۸، ۱۳۹۹، ۱۴۰۰، ۱۴۰۱، ۱۴۰۲، ۱۴۰۳، ۱۴۰۴، ۱۴۰۵، ۱۴۰۶، ۱۴۰۷، ۱۴۰۸، ۱۴۰۹، ۱۴۱۰، ۱۴۱۱، ۱۴۱۲، ۱۴۱۳، ۱۴۱۴، ۱۴۱۵، ۱۴۱۶، ۱۴۱۷، ۱۴۱۸، ۱۴۱۹، ۱۴۲۰، ۱۴۲۱، ۱۴۲۲، ۱۴۲۳، ۱۴۲۴، ۱۴۲۵، ۱۴۲۶، ۱۴۲۷، ۱۴۲۸، ۱۴۲۹، ۱۴۳۰، ۱۴۳۱، ۱۴۳۲، ۱۴۳۳، ۱۴۳۴، ۱۴۳۵، ۱۴۳۶، ۱۴۳۷، ۱۴۳۸، ۱۴۳۹، ۱۴۴۰، ۱۴۴۱، ۱۴۴۲، ۱۴۴۳، ۱۴۴۴، ۱۴۴۵، ۱۴۴۶، ۱۴۴۷، ۱۴۴۸، ۱۴۴۹، ۱۴۵۰، ۱۴۵۱، ۱۴۵۲، ۱۴۵۳، ۱۴۵۴، ۱۴۵۵، ۱۴۵۶، ۱۴۵۷، ۱۴۵۸، ۱۴۵۹، ۱۴۶۰، ۱۴۶۱، ۱۴۶۲، ۱۴۶۳، ۱۴۶۴، ۱۴۶۵، ۱۴۶۶، ۱۴۶۷، ۱۴۶۸، ۱۴۶۹، ۱۴۷۰، ۱۴۷۱، ۱۴۷۲، ۱۴۷۳، ۱۴۷۴، ۱۴۷۵، ۱۴۷۶، ۱۴۷۷، ۱۴۷۸، ۱۴۷۹، ۱۴۸۰، ۱۴۸۱، ۱۴۸۲، ۱۴۸۳، ۱۴۸۴، ۱۴۸۵، ۱۴۸۶، ۱۴۸۷، ۱۴۸۸، ۱۴۸۹، ۱۴۹۰، ۱۴۹۱، ۱۴۹۲، ۱۴۹۳، ۱۴۹۴، ۱۴۹۵، ۱۴۹۶، ۱۴۹۷، ۱۴۹۸، ۱۴۹۹، ۱۵۰۰، ۱۵۰۱، ۱۵۰۲، ۱۵۰۳، ۱۵۰۴، ۱۵۰۵، ۱۵۰۶، ۱۵۰۷، ۱۵۰۸، ۱۵۰۹، ۱۵۱۰، ۱۵۱۱، ۱۵۱۲، ۱۵۱۳، ۱۵۱۴، ۱۵۱۵، ۱۵۱۶، ۱۵۱۷، ۱۵۱۸، ۱۵۱۹، ۱۵۲۰، ۱۵۲۱، ۱۵۲۲، ۱۵۲۳، ۱۵۲۴، ۱۵۲۵، ۱۵۲۶، ۱۵۲۷، ۱۵۲۸، ۱۵۲۹، ۱۵۳۰، ۱۵۳۱، ۱۵۳۲، ۱۵۳۳، ۱۵۳۴، ۱۵۳۵، ۱۵۳۶، ۱۵۳۷، ۱۵۳۸، ۱۵۳۹، ۱۵۴۰، ۱۵۴۱، ۱۵۴۲، ۱۵۴۳، ۱۵۴۴، ۱۵۴۵، ۱۵۴۶، ۱۵۴۷، ۱۵۴۸، ۱۵۴۹، ۱۵۵۰، ۱۵۵۱، ۱۵۵۲، ۱۵۵۳، ۱۵۵۴، ۱۵۵۵، ۱۵۵۶، ۱۵۵۷، ۱۵۵۸، ۱۵۵۹، ۱۵۶۰، ۱۵۶۱، ۱۵۶۲، ۱۵۶۳، ۱۵۶۴، ۱۵۶۵، ۱۵۶۶، ۱۵۶۷، ۱۵۶۸، ۱۵۶۹، ۱۵۷۰، ۱۵۷۱، ۱۵۷۲، ۱۵۷۳، ۱۵۷۴، ۱۵۷۵، ۱۵۷۶، ۱۵۷۷، ۱۵۷۸، ۱۵۷۹، ۱۵۸۰، ۱۵۸۱، ۱۵۸۲، ۱۵۸۳، ۱۵۸۴، ۱۵۸۵، ۱۵۸۶، ۱۵۸۷، ۱۵۸۸، ۱۵۸۹، ۱۵۹۰، ۱۵۹۱، ۱۵۹۲، ۱۵۹۳، ۱۵۹۴، ۱۵۹۵، ۱۵۹۶، ۱۵۹۷، ۱۵۹



ہو نہ لگایا گیا ہو

۴۴۔ اس مقام کی تلاشی جہاں شخص ہو گا اگر کوئی شخص جس کے پاس وارنٹ گرفتاری ہو یا کوئی عہدہ دار گرفتار کرنا منظور ہے داخل ہو گا۔ پولیس جو گرفتاری کا اختیار رکھتا ہو کسی وجہ سے یہ باور کرے کہ وہ

شخص جس کی گرفتاری منظور ہے کسی مقام میں گھس گیا ہے یا اس کے اندر موجود ہے۔ تو اس شخص کو جو ویسے مقام میں رہتا یا اس کا اہتمام رکھتا ہو لازم ہے کہ شخص مذکور کی جو وارنٹ گرفتاری رکھتا ہو یا عہدہ دار پولیس غرض کی درخواست پر مقام مذکور میں باقاعدہ حاضری دے اور وہ سٹے لینے خانہ تلاشی کے اس کے ہر طرح کی سولت معقول دے۔

۴۵۔ اگر دفعہ ۴۴ کے بموجب ویسے مقام کے اندر داخل نہ ملے اور داخل نہ ہو سکے تو اس مقدمہ میں جس میں کوئی شخص وارنٹ کے درمیان سے عمل کرتا ہو اور کسی دوسرے مقدمہ میں جس میں وارنٹ کا جاری ہونا جائز ہے مگر بلا

دینے موقع فراہم اس شخص کو جس کی گرفتاری مطلوب ہو وارنٹ کا حاصل کرنا غیر ممکن ہو۔ یہ بات جائز ہوگی کہ عہدہ دار پولیس ویسے مقام میں داخل ہو کر اس کے اندر خانہ تلاشی کرے اور اس کو اختیار ہو گا کہ ویسے مقام میں داخل ہونے کے لئے کسی مکان یا مقام کے دروازہ یا کھڑکی بیرونی یا اندرونی کو جو شخص مطلوب گرفتاری کی یا کسی اور شخص کی ملکیت ہو اس صورت میں توڑ کر داخل ہو کر جب اسے اپنا اختیار اور ارادہ ظاہر کیا ہو اور داخل ہو چکی ہو درخواست حسب ضابطہ کی ہو اور کسی اور طور پر داخل ہو نیسے مجبور ہو۔

۴۶۔ خانہ کو توڑ کر اگر شرط یہ ہے کہ اگر کوئی دیبا مقام ایسا خلوت خانہ ہو جس میں کوئی عورت یا شخص مطلوب اسکے اندر جاتا۔ گرفتاری نہ ہو فی الواقعہ منہم جو بمطابق روانہ کے لوگوں کے وہ برہنہ ننگی ہے تو ویسے شخص یا عہدہ دار پولیس کو لازم ہے کہ ویسے خلوت خانہ میں داخل ہو نیسے پہلے دیسی عورت کو اطلاع دے کہ وہ وہیں سے چلے جائے کی اجازت ہے اور اس کو ننگے کیلئے ہر طرح کی سولت معقول دے اور بعد اسکے چھانچا کہ خلوت خانہ کو توڑ کر اسکے اندر جاسے +

۴۷۔ درخصوص اس الحاق کے جس کے ساتھ دفعہ ۴۷ بن مقامات میں پڑھی جائیگی جناب کے سرحدی جرمیم لارڈ کمیشن ۱۸۷۷ء و جرمیم صدر ۱۸۷۷ء لکھا تھا ہے۔ ملاحظہ طلبہ ریگیشن مذکور کی دفعہ ۳۷ (۲) اور اقل کی دفعہ ۴۷ +